राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

मस्कारा लगाते समय न ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

सोमवार, 14 अगस्त 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 10 अंकः 235 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

सफलता के लिए समय व तकनीकी के अनुरूप चलना जरूरी :सीएम योगी

गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सफलता हासिल करने के लिए समय व तकनीकी के अनुरूप चलना होगा। समयानुकूल तकनीकी के अनुरूप न चलने पर प्रतिस्पर्धा से बाहर हो जाने का खतरा होता है। आज का दौर समय के अनुकूल तकनीकी अपनाकर आगे बढ़ने का है। सीएम योगी रविवार को मोतीराम अड्डा में निजी क्षेत्र के मेसर्स श्री एसोसिएट्स की तरफ से बनवाए गए वेयरहाउस का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

उत्तर प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक पॉलिसी 2022 से प्रेरित होकर 30 करोड़ रुपये के निवेश से यह वेयरहाउस 1.23 लाख वर्गफुट में बनाया गया है। इसका एमओयू फरवरी 2023 में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में हस्ताक्षरित किया गया था। इससे करीब एक हजार लोगों को रोजगार मिलने का अनुमान है। वेयरहाउस के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले फूड कारपोरेशन ऑफ इंडिया, केंद्रीय भंडारण निगम व को ऑपरेटिव द्वारा वेयरहाउस बनाए जाते रहे हैं। पर, तकनीकी पुरानी होने से नुकसान अधिक होता था। उन्होंने कहा कि समय व तकनीकी के हिसाब से खुद को बदला नहीं गया तो पीछे छूट जाएंगे और काफिले में पीछे छूटे व्यक्ति के लिए मंजिल दूर की कौड़ी हो जाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप राज्य सरकार ने समयानुकूल तकनीकी को समाहित करते हुए वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक पॉलिसी बनाई। बड़े बड़े निवेशकों को इस सेक्टर में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

पीएम मोदी ने देशवासियों से की डीपी में तिरंगे की तस्वीर लगाने की अपील, खुद के हैंडल की भी बदली फोटो

भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस में अब बस दो दिन का समय बचा है। इससे पहले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल की डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) में तिरंगे की तस्वीर लगाकर श्हर घर तिरंगाश अभियान की शुरुआत की। इसी के साथ उन्होंने एक ट्वीट के जरिये लोगों से अपने अकाउंट की डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) में तिरंगे की तस्वीर लगाने की अपील भी की है। पीएम ने लिखा, श्रुहरघरतिरंगा आंदोलन की भावना में, आइए हम अपने सोशल मीडिया खातों की डीपी बदलें और इस अनूठे प्रयास को समर्थन दें जो हमारे

प्यारे देश और हमारे बीच के बंधन को गहरा करेगा।श

प्रधानमंत्री ने पिछले साल श्हर घर तिरंगाश अभियान की शुरुआत की थी। इस साल 11 अगस्त को उन्होंने एक बार फिर से लोगों से13 से 15 अगस्त के बीच श्हर घर तिरंगाश आंदोलन में हिस्सा लेने का आह्वान किया है। पीएम मोदी की अपील के बाद देशवासी बड़ी संख्या में श्हर घर तिरंगाश अभियान में हिस्सा लेते नजर आ रहे हैं। लोगों ने अपनी डीपी में तिरंगे की तस्वीर लगाना शुरू कर दिया है। बता दें, श्हर घर तिरंगाश अभियान श्आजादी का अमृत महोत्सवश पहल का एक हिस्सा है। ये अभियान लोगों को अपने घरों पर तिरंगा झंडा फहराने के लिए प्रोत्साहित करता है।

77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए आज लाल किले पर फुल ड्रेस रिहर्सल की गयी। इस दौरान के वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। इसके अलावा आज सरकार ने समारोह में शामिल होने वाले श्मुख्य अथितियोंश की सूची भी जारी की है। इस सूची में कुल 1800 लोगों के नाम शामिल हैं, जिन्होंने देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दूसरी ओर दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की हुई है।

हिप्रः शिमला जिले में बारिश से प्रभावित ग्रामीणों ने सुरक्षित स्थानों पर पुनर्वास की मांग की

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला में पिछले महीने भारी बारिश से प्रभावित सुंडा गांव के लोगों ने सरकार से सुरक्षित स्थानों पर अपने पुनर्वास की मांग की है। भारी बारिश के कारण गांव में कई घरों को काफी नुकसान हुआ है तथा कुछ घरों में दरारे आ गई हैं। जिले के रचोली पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों की शिकायत है कि 25 जुलाई को बादल फटने की घटना के बाद राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई राहत अपर्याप्त थी। बारिश के कारण घरों को नुकसान पहुंचने के बाद कई लोग अपने रिश्तेदारों के साथ रह रहे हैं तथा अन्य लोग गांव के सरकारी स्कूल में रुके हुए हैं। सुंडा गांव की निवासी जप्ती देवी ने कहा, मेरा घर क्षतिग्रस्त हो गया है और सरकार ने राहत के रूप में 5,000 रुपये दिए, जो बहुत कम है। हम चाहते हैं कि प्राकृतिक आपदा से गंभीर रूप से प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर बसाया जाए। वहीं, एक बुजुर्ग ग्रामीण ने दावा किया,

बादल फटने से सब कुछ क्षतिग्रस्त हो गया। अब तक हमें सरकार से कोई मदद नहीं मिली है। रामपुर के उपमंडल मजिस्ट्रेट निशांत तोमर ने कहा कि पिछले महीने आई प्राकृतिक आपदा के कारण हुए नुकसान का आकलन किया गया है और सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों के आधार पर राहत प्रदान की जाएगी। हिमाचल प्रदेश के प्रमुख विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नीत राज्य सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यहां लोगों को दी जा रही राहत अपर्याप्त है। भाजपा नेता जयराम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर बारिश प्रभावित इलाकों में राहत वितरण के दौरान लोगों से उनकी राजनीतिक संबद्धता के आधार पर भेदभाव करने का आरोप लगाया था। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया था कि ऐसी शिकायतें मिल रही हैं कि जिन लोगों को कोई नुकसान नहीं हुआ, उन्हें राहत मिल गई, जबकि बारिश और बाढ़ के वास्तविक पीड़ित सहायता से वंचित रह गए। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों के लिए प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत की राशि 5,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार उन लोगों के लिए राहत बढ़ाने पर भी विचार कर रही है जिनके घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

वाराणसी में सर्व सेवा संघ भवन पर बुलडोजर चलवाना भाजपा सरकार की हार:अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि वाराणसी के ''सर्व सेवा संघ भवन पर बुलडोजर चलवाना भाजपा की हार'' है। सपा प्रमुख ने ट्वीट किया, ''महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे और जयप्रकाश जी की वैचारिक विरासत के प्रतीक वाराणसी के 'सर्व सेवा संघ' भवन पर भाजपा सरकार बुलडोजर चलवाकर जिसे अपनी जीत समझ रही है, दरअसल वह उसकी हार है क्योंकि जिनके विचार देश की हवा में बुनियादी रूप से घुले–मिले हैं, उनकी नींव कोई क्या हिलाएगा। यादव ने इस ट्वीट के साथ एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें बुलडोजर चलते दिख रहा है। गौरतलब है कि महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे और लोकनायक जयप्रकाश नारायण की विरासत कहे जाने वाले राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ भवन पर शनिवार को बुलडोजर चलाया गया था।

गूगल ने डूडल बनाकर श्रीदेवी को 60वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि

गूगल ने भारतीय सिनेमा की दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी को उनकी 60वीं जयंती पर रविवार को डूडल बनाकर श्रद्धांजलि दी। श्रीदेवी का जन्म 13 अगस्त 1963 को मौजूदा तमिलनाडु में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बाल कलाकार के तौर पर की थी और चार साल की उम्र में तमिल फिल्म 'कंधन कुरूनाई' में अभिनय किया था। डूडल के विवरण में गूगल ने बताया कि आज का डूडल कलाकार भूमिका मुखर्जी द्वारा बनाया गया है और भारतीय अभिनेत्री श्रीदेवी की 60वीं जंयती के मौके पर पेश किया गया है। इसमें कहा गया है कि करीब चार दशक के अपने फिल्मी सफर में उन्होंने तकरीबन 300 फिल्मों में काम किया और पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान माने जाने वाले फिल्मी जगत में पुरुष समकक्षों के बिना ही कई बार अभिनय और कॉमेडी का जलवा बिखेरा। श्रीदेवी ने दक्षिण भारत की कई भाषाएं सीखीं जिससे उन्हें अन्य भाषाओं की फिल्मों में भूमिकाएं हासिल करने में मदद मिली। अपने करियर की शुरुआत में, उन्होंने तमिल, तेलुगु और मलयालम की फिल्मों में अभिनय किया। अभिनेत्री को 1976 में के. बालाचंदर की 'मूंदरू मुदिचू' से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली, जिसमें अभिनेता रजनीकांत और कमल हासन भी थे। उस समय उन्हें व्यापक रूप से तमिल सिनेमा की अभिनेत्री माना जाता था लेकिन श्रीदेवी का बड़े पर्दे पर करिश्मा ही था कि उन्हें हिंदी फिल्म जगत के निर्माताओं से भी पेशकश मिली। हिंदी फिल्म एक्शन कॉमेडी 'हिम्मतवाला' में मुख्य भूमिका निभाने के बाद, श्रीदेवी ने खुद को बॉलीवुड अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया और 'सदमा', 'चालबाज', 'लम्हे', 'चांदनी' और 'जुदाई' जैसी कामयाब फिल्मों में अभिनय किया।

लाल किला पर सुरक्षा बलों ने की फुल ड्रेस रिहर्सल, मुख्य अथितियों की सूची जारी

नई दिल्ली। 15 अगस्त को भारत अपना 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। दिल्ली के लाल किला पर स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया जाना है, जिसकी तैयारियां जोरों–शोरों से चल रही है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किला पर तिरंगा फहराएंगे और देश को संबोधित करेंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह में हिस्सा लेने के लिए विभिन्न सशस्त्र बलों ने फुल ड्रेस रिहर्सल शुरू कर दी है। इन सब के बीच भारत सरकार ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में हिस्सा लेने वाले श्मुख्य अतिथियोंश की सूची जारी कर दी है। इस सूची में कुल 1800 अतिथियों का नाम शामिल है। इन सभी अतिथियों ने भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बता दें, सरकार की पहल

श्जनभागीदारी कार्यक्रमश के तहत इन अथितियों को समारोहों का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया है। भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस में 1800 मुख्य अतिथियों को शामिल किया गया है। इसमें श्वाइब्रेंट विलेजेजश के सरपंच, शिक्षक, नर्स, किसान, मछुआरे, नई दिल्ली में सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के निर्माण में योगदान देने वाले मजदूर, खादी क्षेत्र के श्रमिक, राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले स्कूल शिक्षक शामिल हैं। इनके अलावा सीमा सड़क संगठन के कर्मचारी शामिल हैं जो देश के विभिन्न हिस्सों में लागू श्अमृत सरोवरश और श्हर घर जल योजनाश परियोजनाओं में शामिल रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर विभिन्न सशस्त्र बलों ने आज से फुल ड्रेस रिहर्सल शुरू कर दी है। इस दौरान के वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आ गए हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने फुल ड्रेस रिहर्सल के चलते लोगों के लिए एडवाइजरी भी जारी की है। इसके अलावा दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। दिल्ली पुलिस द्वारा शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस ने पैरोलिंग से लेकर वाहनों की जांच तेज कर दी है।

रेहड़ी पटरी वालों को ऋण देने की योजना पर मिलकर काम करें बैंक, नगर निकायः केंद्र

भुवनेश्वर। केंद्रीय मंत्री भागवत के. कराड ने बैंकों और नागरिक निकायों से रेहड़ी पटरी वालों को आसानी से ऋण मुहैया कराने के लिए शुरू की गई 'पीएम स्वनिधि योजना' के लक्ष्य हासिल करने के लिए मिलकर काम करने को कहा है। कराड ने बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में योजना के क्रियान्वयन के आकलन के लिए शनिवार को एक क्षेत्रीय स्तर की बैठक की अध्यक्षता की। एक बयान में बताया गया कि कराड ने इस बैठक में नगर निकायों से बैंकों द्वारा लौटाए गए आवेदनों की समीक्षा करने और उनमें आवश्यक सुधार करने के बाद उन्हें फिर से बैंक में जमा कराने को कहा। इसमें कहा गया कि वित्त राज्य मंत्री ने नगर निकायों को समयबद्ध तरीके से लक्ष्य हासिल करने के लिए नए आवेदनों को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। बयान के अनुसार, कराड ने शहरी स्थानीय निकायों से नवोन्मेषी रणनीतियों के जरिए अपने प्रयास तेज करने की अपील की ताकि रेहड़ी पटरी वालों को डिजिटल माध्यमों से जोड़ा जा सके। बैठक में राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों, नगर निगम आयुक्तों एवं राज्य स्तरीय बैंकर समितियों (एसएलबीसी) के संयोजकों और अन्य लोगों ने हिस्सा लिया।

रेडक्लिफ लैब्स का परिचालन विस्तार पर जोर, 2025–26 में सूचीबद्ध होने की तैयारी

नयी दिल्ली। डायग्नोस्टिक मंच रेडक्लिफ लैब्स 2025 तक 250 प्रयोगशालाओं और 10,000 संग्रह केंद्रों के साथ अपने परिचालन विस्तार पर जोर दे रही है। इसके साथ ही कंपनी के संस्थापक और प्रबंध निदेशक धीरज जैन ने बताया कि रैडक्लिफ लैब्स 2025–26 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने 2018 में परिचालन शुरू किया था और इसके पास

छोटे शहरों और कस्बों में 81 प्रयोगशालाएं और 2,000 से अधिक संग्रह केंद्र हैं। रेडक्लिफ लैब्स ने अब तक आठ करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं और उसने 2027–28 तक 700 प्रयोगशालाएं और 25,000 संग्रह केंद्र बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। जैन ने पीटीआई–को बताया कि उनका लक्ष्य 2025 तक 10,000 संग्रह केंद्र और 250 प्रयोगशालाएं तैयार करना है। उन्होंने कहा कि अधिकांश विस्तार उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में टियर–2, टियर–3 और टियर–4 स्थानों पर होगा। इन स्थानों पर डायग्नोस्टिक का बुनियादी ढांचा कम विकसित है। उन्होंने कहा कि कंपनी एआई तकनीक को अपनने पर भी जोर दे रही है। जैन ने कहा कि कंपनी पूंजी के लिहाज से अच्छी स्थिति में है, लेकिन रेडियोलॉजी क्षेत्र का विस्तार करने के लिए इस साल के अंत तक या अगले साल वित्त पोषण के एक और दौर पर विचार कर सकती है। उन्होंने कहा, 2025–26 में हम सूचीबद्ध हो सकते हैं। इससे हमें कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी। कंपनी में प्रमोटर समूह की लगभग 30 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

बेसिक शिक्षा मंत्री के बयान पर शिक्षा मित्रों ने जताई आपत्ति

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगरः उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ की प्रदेश कार्यकारिणी के आवाहन पर रविवार को शिक्षामित्र की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष इंद्रजीत यादव ने बेसिक शिक्षा मंत्री द्वारा शिक्षामित्र और शिक्षकों के कार्य में भिन्नता को लेकर दिए गए बयान का पुरजोर तरीके से विरोध किया।

जिलाध्यक्ष ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा प्रदेश सरकार पिछले छह वर्षो से बार–बार एक ही बयान दे रही है कि हमने शिक्षामित्र का मानदेय 3500 से बढ़कर दस हजार कर दिया है। लेकिन सच्चाई यह है की मानदेय 30000 से घटकर दस हाजर किया गया था। छह वर्षो से शिक्षामित्र के मानदेय में एक रुपए की भी वृद्धि नहीं की गई है। जबकि महंगाई कई गुना बढ़ चुकी है ऐसे में शिक्षामित्र को जीवन यापन करना मुश्किल हो गया है। जिला महामंत्री यशवंत सिंह ने कहा शिक्षामित्र और अध्यापकों का कार्य एक ही है। सरकार द्वारा शिक्षामित्रों को अध्यापकों के अनुपात में जोड़ा गया है। जो पिछले 22 वर्षो से विद्यालय में केवल शिक्षण कार्य कर रहे हैं। तीन वर्ष सहायक अध्यापक के रूप में भी कार्य करने का अनुभव प्राप्त है लेकिन वेतन और समान कार्य के लिए सरकार स्पष्ट इंकार कर देती है।परंतु जब मानदेय वृद्धि या स्थाईकरण की बात आती है तो भिन्नता की बात करके सरकार केवल समाज को गुमराह करने का काम सरकार कर रही है। इस अवसर पर अशोक कुमार मिश्रा, केसरी प्रसाद, जगदीश कुमार, राम प्रकाश, यार मोहम्मद, रामु निराला, राघवेंद्र मिश्र, रूबी देवी, अर्चना श्रीवास्तव, अमित सिंह, संकटा प्रसाद सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

चौकी प्रभारी ने प्रिंसपल और प्रधान को किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

मनकापुर गोंडाः ऑपरेशन नजर पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल के निर्देशन में ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत लगाए गए 19 सीसीटीवी कैमरे पुलिस ने किया सम्मानित, कहां हर छोटी बड़ी घटनाओं पर रहेगी पुलिस की त्रिनेत्र ऑपरेशन .ष्टि अभियान के अंतर्गत रविवार को खोड़ारे थाना क्षेत्र के बनगवां बाजार में स्थित श्री रामदास धर्मराजी सरस्वती ज्ञान मंदिर के प्रबंधक संतराम मौर्या द्वारा विद्यालय के अंदर 18 व गौरा चौकी सादुल्लाह नगर रोड पर एक सीसीटीवी कैमरे लगवाने पर चौकी प्रभारी दिनेश राय गौरा चौकी के द्वारा विद्यालय प्रबंधक व ग्राम प्रधान को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया है। चौकी प्रभारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के के निर्देश पर हर घर कैमरा लगाने का अभियान चलाया जा रहा है बनगवां बाजार में मीटिंग करके प्रोत्साहित किया गया कि सीसीटीवी कैमरा अपने घर पर लगवाएं इसी क्रम में विद्यालय के प्रबंधक संतराम मौर्य के द्वारा विद्यालय में कैमरा लगवाया गया जिससे उन्हें फूल माला पहनकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बाजार वासियों को अपने–अपने घर व दुकानों पर कैमरा लगवाने की अपील की है।

प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक बभनजोत व छपिया इकाई के द्वारा पुरानी पेंशन बहाली सहित 18 बिंदुओं का ज्ञापन क्षेत्रीय विधायक को सौंपा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बभनजोत गोंडा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक बभनजोत व छपिया इकाई के द्वारा पुरानी पेंशन बहाली सहित 18 बिंदुओं का ज्ञापन क्षेत्रीय विधायक प्रभात कुमार वर्मा को सौंपा गया। ज्ञापन में मुख्य रूप से पुरानी पेंशन बहाली, राज्य कर्मचारियों की भांति उपार्जित अवकाश, द्वितीय शनिवार अवकाश, प्रतिकर अवकाश, अध्ययन अवकाश,कैशलेस चिकित्सा सुविधा, प्रत्येक प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक के पद पर पदोन्नत/तैनाती, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों की बात वेतनमान में सभी शिक्षकों को प्रोन्नत 12 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके वेतनमान आदि 18 सूत्री मांग पत्र के अनुसार अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु सरकार से मांग कर चुके हैं। लेकिन अभी तक उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मांगों के निराकरण के संबंध में कोई कार्रवाई न किए जाने से प्रदेश का शिक्षक समुदाय अत्यंत दुखी एवं आहत है। एक ओर शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण नहीं किया जा रहा है। जबकि साथ ही साथ कतिपय विभागीय अधिकारियों के द्वारा बेसिक शिक्षकों एवं शिक्षा से संबंधित तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर समाचार पत्रों में प्रकाशित कराया जा रहा है। जिससे बेसिक शिक्षा एवं शिक्षकों की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस अवसर पर जावेद कमर जनपदीय संगठन मंत्री, रामविलास वर्मा ब्लाक अध्यक्ष बभनजोत,ऋषि तिवारी ब्लॉक मंत्री छपिया, मोहम्मद खालिद रजा बेग ब्लॉक मंत्री बभनजोत, ओम प्रकाश यादव, अब्दुल रकीब, रामजियावन, विनोद कुमार वर्मा, राधेश्याम वर्मा, आशीष यादव, विपिन पटेल, नितिन सोनी, राकेश कुमार, संजू जायसवाल, हरिश्चंद्र, बृजेश सोनी, शुभम सिंह, गुरु प्रसाद वर्मा, संतराम वर्मा, अबू सुफियान ,कनिकराम, अवधेश चौधरी सहित सैकड़ों

सावन और अधिमास में रुद्राभिषेक से दूर होते है कष्ट– पंडित दुर्गा प्रसाद त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार सिद्धार्थनगर। सावन और अधिमास या मलमास महीना भगवान शिव के स्तुति का महीना होता है। इस महीने में भगवान शिव और माता पार्वती का पूजा और आराधना किया जाता है। उक्त बातें मदनपुर निवासी पंडित दुर्गा प्रसाद त्रिपाठी ने मेहदिया गांव में रुद्राभिषेक के दौरान कही। आगे कहा कि शिव मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक तथा दुग्धाभिषेक किया जाता है। इस महीने में भगवान शिव की पूजा के लिए शिववास नही देखा जाता है। क्षेत्र में इन दिनों शिवमंदिरो तथा शिव भक्त अपने घर पर शिव परिवार की मूर्ति बनाकर पूजा पाठ कर रहे है। इसके लिए रुद्राभिषेक और दीर्घ या लघु मृत्युंजय मंत्र का जाप करवा रहे है। इस वर्ष सावन माह 30 अगस्त तक है। इस अवसर पर यजमान अशोक कुमार पाण्डेय, तारा देवी सहित ढूनमुन पाण्डेय, बीरेंद्र पाण्डेय, अर्चना पाण्डेय आदि लोग उपस्थित रहे।

हर घर झंडा फहरे लोगों से की अपीलःअजीत चौबे

रावटसगंज नगर व भाजपा कार्यालय के समीप पुसौली गांव में भी निकला शांति प्रतीक जुलूस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को 15 अगस्त को हर घर तिरंगा झंडा फहराने को लेकर तिरंगा झंडा देखकर हर घर

पहुंचते हुए लोगों को झंडा तिरंगा देखकर किया प्रेरित शांति प्रति का तिरंगा झंडे के साथ निकाला जुलूस। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत चौबे ने बताया कि 15 अगस्त हमारे देश के लिए आजादी का दिन माना गया है जिसको लेकर हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्र के इस संकल्प को हर घर पहुंच कर लोगों को प्रेरित करते हुए झंडा तिरंगा देखकर उनका जागरूक किया गया की 15 अगस्त को हर घर झंडा फहराया जाए जिससे कि एक संदेश देने का कार्य हो सके वही देश में अमन चौन व शांति को लेकर हमारे देश के महापुरुषों ने अपनी बलिदान दिया जिसको हम कभी नहीं भूल सकते आने वाले पीढ़ियों को भी इस से अवगत कराते रहेंगे संस्ति व विद्यालय के पठन–पाठन के साथ 15 अगस्त 26 जनवरी जैसे महापर्व पर हर व्यक्ति को जागरूक होकर इस पर्व में सम्मिलित होने का अवसर मिले यह सौभाग्य हम सभी को मिले जिसको लेकर शांति प्रिय जुलूस निकालते हुए लोगों को हर घर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया । इस मौके पर ,सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ,महामंत्री .ष्ण मुरारी गुप्ता, संतोष शुक्ला, धीरज ,राकेश मेहता ,विनय पाठक ,वरुण समेत दर्जनों भाजपा के सदस्य शामिल है।

राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष बने पवन कुमार मिश्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राष्ट्रीय पंचायती राज–ग्राम प्रधान संगठन प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा ने पत्र जारी कर जानकारी दी है कि सोनभद्र के जिलाध्यक्ष लक्ष्मी जायसवाल को संगठन के विरुद्ध गतिविधियों के कारण संगठन के जिलाध्यक्ष पद से निस्कासित कर दिया गया है और संगठन से भी निस्कासित कर दिया गया है। अब जनपद सोनभद्र के जिलाध्यक्ष पद का ताज पवनकुमार मिश्र को पहनाया गया । आपको बताते चले कि प्रधानों के प्रस्ताव पर पवन कुमार मिश्र को सोनभद्र का जिलाध्यक्ष पद के लिये मनोनित किया गया है। इनके मनोनयन से ग्राम प्रधानों में हर्ष व्याप्त है।

जिला पंचायत को दिया जाने वाला कर समाप्त, कोटेदारों में खुशी

रायबरेली। विकासखंड सरेनी ,लालगंज, डलमऊ ,बछरावा, शिवगढ़ ,महराजगंज के कोटेदारों का सम्मेलन जिला पंचायत सभागार में आयोजित हुआ जिसमें सभी कोटेदारों का सम्मान बढ़ाएं जाने सामाजिक सेवाओं में कोटेदारों की भूमिका को सुनिश्चित करने ,कोटेदारों को अन्य कई तरीको से राहत पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कोटेदारों को 640 रुपए प्रति वर्ष जिला पंचायत को अदा किए जाने वाले कर को समाप्त किए जाने की घोषणा की गई ।

कोटेदारों द्वारा कोरोना काल में राज्य सरकार, भारत सरकार के साथ मिलकर सर्वोच्च सहयोग प्रदान करते हुए कोरोना की जंग में अहम भूमिका का निर्वाहन किया गया इसके लिए जनपद रायबरेली और उत्तर प्रदेश में कोटेदारों का आभार प्रकट किया।

कोटेदारों से गरीब लोगों को राशन दिए जाने के लिए बैग दिए गए और कोटेदारों को आम के उच्च कोटि के पौधे भी निशुल्क वितरित किए गए कोटेदारों का यह सम्मेलन आने वाले चुनाव में अहम भूमिका का निर्वाहन करेगा पहली बार किसी राजनीतिक व्यक्ति के द्वारा कोटेदारों का सम्मान हुआ है। ऐसा कोटेदारों का कहना था।कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह द्वारा किया गया। जिसमें छरू ब्लॉकों के कोटेदारों की उपस्थित रही। सभी ने एक स्वर में राज्य सरकार की सेवाओं की सराहना करते हुए भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया।

ईंट भट्ठा मालिक मजदूर मनाएं स्वतंत्रता दिवस फहराये तिरंगा: उपश्रमआयुक्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुरः उत्तर प्रदेश सरकार के मंशा अनुसार प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस को बड़े ही धूमधाम से मनाने का लिए गए फैसले के अनुसार जनपद में भी 15 अगस्त की तैयारी जोरों पर है इसी कड़ी में देश के 77 वां स्वतंत्रता दिवस को बड़े ही धूमधाम से मनाने व आम जनों तक इसका संदेश पहुंचे इसी कड़ी में उपश्रमायुक्त कुलदीप सिंह बलरामपुर ने जनपद के सभी ईट भट्ठा मालिकों से 15 अगस्त पर झंडारोहण कर राष्ट्रगान आदि के साथ मिठाइयां बाट कर हर्षोल्लास से मनाने की अपील की है इस मौके पर उपश्रमआयुक्त कुलदीप सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश स्वतंत्रता दिवस मनाने का जो उद्देश है वह आम जन मानस तक पहुंचे और सभी नागरिकों में राष्ट्रीयता की भावना पैदा हो श्री सिंह ने भट्ठा मालिकों से अपील की वे अपने यहां ईट भट्टों पर किए गये कार्यक्रमों का फोटो आदि श्रमविभाग के व्हाट्सएप नंबर 8707063002 पर भेजना सुनिश्चित करेंगे

स्वतंत्रता दिवस पर 151 मीटर तिरंगा यात्रा निकालेगी उद्भव सेवा समिति

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्रः स्वंतत्रता दिवस के अवसर पर 151 मीटर तिरंगा यात्रा निकालेगी उद्भव सेवा समिति बिगत वर्षों की भाति इस वर्ष भी राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस पर स्वर्ण जयंती चौक से 11 बजे सिविल लाइन रोड महिला थाना शितला मंदिर चौक होते हुए नवीन मंडी स्थल परिसर पद यात्रा का समापन होगा उक्त आशय की जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश जायसवाल नें नगर वासियों से सहयोग की अपील किया है!

बाढ़ बचाव सुरक्षा के लिए तत्पर सरकार व विभागीय तंत्र : स्वतंत्र देव सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन। बारिश मे पहाड़ी नदियाँ झूमते हुए चल रही हैं । बारिश में प्रदेश की सभी नदियाँ अति सवेदन शील है और हो भी जाती हैं । गाँव और तटबन्ध की सुरक्षा सूबे की योगी और देश की मोदी सरकार की पहली प्राथमिकता मे है । पानी और आग से आप और हम टकरा नही सकते । हाँ बाढ़ बचाव के कार्यों की निरीक्षण मै और मेरा विभाग स्वयं करता है । नदियों की कटान , तटबन्धो की कटांन , रेनकट , रैट होल सहित बाढ बचाव हेतु सरकार , विभाग और सरकारी तंत्र पुरी तरह से तत्पर है । उक्त बातें जल शक्ति विभाग एवं सिंचाई जल ससाधन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने रविवार को ब्लॉक लोटन क्षेत्र के कूड़ा घोघी बाँध पर महुआ कटान पर बाढ़ बचाव सुरक्षात्मक कार्यों का स्थलीय निरीक्षण के दौरान पूर्व से आयोजित चौपाल कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा । बाढ बचाव और सुरक्षात्मक कार्यों कि तारीफ़ भी किया । कार्यों से सन्तुष्ट दिखे मंत्री । पत्रकार द्वारा दुआबा क्षेत्र मे बने सुरक्षातमक केजी बांध लगे खड़ंजे को पिच के अनुरोध पर मंत्री ने अधिशाषी अभियंता ड्रनेज खंड सिद्धार्थनगर राज किरण नेहरा को पिच के लिए कार्य योजना मे सम्मिलित का दिया निर्देश । उन्होंने कार्यक्रम मे उपस्थिति बाढ़ समिति के सदस्यों, किसानों के साथ चर्चा करते हुए कहा कि गावं के किसानों और जवानों के सहयोग से भी बांध के कटानों से हिफाजत मे सहयोग मिल सकती है । किसानो का बड़ा सहयोग होता है । बारिश और बाढ़ मे किसी अनहोनी से निपटने के लिए पुरी तरह से अलर्ट है ।प्रदेश मे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों सूचनाये एकत्र हैं । । बाढ़ बचाव की परियोजनाओं पर विधिवत कार्य हो रहे हैं । गावं ,क्षेत्र जहा से भी सूचना आती हैं ,विभागीय तंत्र और सम्बन्धित कर्मचारी और प्रदेश की सरकार अपनी मुस्तैदी मे चुक नही करती । सरकार हर घर नल योजना से

जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने जा रही है। हम गांवों में रहने वालों को प्लंबर , फिटर ,आपरेटर केयरटेकर ,सेक्योरिटी ,गार्ड जैसे पदों पर संविदा के आधार पर रोजगार दे रहे हैं। इसी क्रम मे डुमरियागंज लोक सभा के हर दिल अजीज सांसद जगदम्बिका पाल ने चौपाल को संबिधित करते हुए कहा कि प्रदेश की योगी और देश की मोदी सरकार ने डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करते हुए कल के भविष्य छात्र छात्राओ को स्मार्टफोन व टेबलेट देने का निर्णय पूरे प्रदेश और देश मे सराहा जा रहा है ।निश्चित रूप से यह स्मार्टफोन छात्र छात्राओं व युवाओं के सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभाएगा । यह स्मार्टफोन जहां एक और उनकी पढ़ाई में सहायक सिद्ध होगा । इसी तरह से सड़को के निर्माण और विजली कि व्यवस्था मे अमूल चुक परिवर्तन किया हैं । जो पूर्व कि सरकारों मे नही था । इसी क्रम मे सदर विधायक श्यामधनी राही ने भी चौपाल को सम्बोधित किया । इस अवसर पर भाजपा के जिला संयोजक कन्हैया पासवान, सीडिओ जयेन्द्र कुमार , एसडीएम सदर डाक्टर ललित कुमार , सीओ सदर अखिलेश वर्मा , कोतवाल लोटन चंदन कुमार लारी , थानाध्यक्ष मोहाना जीवन त्रिपाठी , मुख्य अभियंता गोरखपुर आलोक जैन, अधिक्षण अभियंता बस्ती मण्डल मनीष साहू, अवनीश साहू, अधिशाषी अभियंता ड्रेनेज खण्ड सिद्धार्थनगर राज किरण नेहरा, सहायक अभियंता चंद्र शेखर शर्मा व वैभव पाण्डेय, मनोज कुमार रायजादा, आर डी कौल, जूनियर इंजीनियर मुनीब कुमार, संजय कुमार ज़ अभिजीत सिंह, राजीव वर्मा , क्षेत्रीय जन वाजिद अली खान, लालजी गुप्ता , तीजू विश्वकर्मा , ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव , ग्राम भेलौजी के प्रधान सुरेन्द कुमार , मंजूर खान , मुनीर खान , रवि पाण्डेय, सूजीत राजभर, आदित्य मणि त्रिपाठी ,पीयूष उर्फ़ गोलू सिंह , मिंटू सिंग्ज , डाक्टर सोमन , राघवेंद्र प्रताप सिंह श्रीनेत आदि की गरिमा मयी उपस्थिति है ।

चैयरमैन–ईओ के सख्ती से हटा अवैध अतिक्रमण

दैनिक बुद्ध का संदेश / श्रवण पटवा

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर : जमीन की खरीद–फरोख्त करने वाले भूमाफियों ने बार फिर शोहरतगढ़ कस्बे को जनपदीय स्तर पर चर्चा में ला दिया है। आरोप है कि नगर पंचायत प्रशासन की स्वी. ति और बिना ले–ऑउट के ही पुस्तैनी जमीन के साथ नगर पंचायत की भी भूमि पर प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा है। बहरहाल अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल के दखल के बाद दोपहर में ही अबैध निर्माण को रुकवा दिया है। लेकिन अबैध निर्माण की चर्चा दिन भर बनी रही। शाम को भाजपा नेता व निवर्तमान चेयरमैन पुत्र सौरभ गुप्ता की भी अबैध निर्माण के प्रति तल्खी बनी रही, उन्होंने अवैध रूप से बन रहे प्लाटिंग तो तत्काल रुकवाकर नगर पंचायत की संपत्तियों से अबैध अतिक्रमण हटाने की बात कही है। साथ ही यह भी कहा कि बिना स्वी.ति नक्सा और ले आउट के किसी प्रकार का निर्माण न करने दिया जाय, इससे शासन की मंशा तार–तार होगी।प बताते चले शोहरतगढ़ कस्बे के गोलघर के पास संजय खेतान आदि की पुस्तैनी मकान है, करीब 10 वर्ष पहले भी कतिथ रूप से उनके द्वारा किये गये अबैध कब्जे को तत्कालीन एसडीएम के रूप में आई०ए०एस० अधिकारी भवानी सिंह खंगारोत, जिनके पास अधिशासी अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार था, पुलिस बल के साथ सख्ती से वृत्ताकार प्लाटिंग के नाम पर पुस्तैनी खेतान आदि की इसी पुस्तैनी

- शोहरतगढ़ के करोड़ो की संपत्ति पर थी भूमाफियों की नज़र!
- भूमाफियों के हौसंले बुलन्द, बिना ले आउट के ही करा रहे थे प्लाटिंग का कार्य
- सीनाजोरी के बल पर नगर पंचायत की संपत्ति पर भी करा दिया अबैध निर्माण, अधिकारियों को नही मिली निर्माण की ख़बर
- भूमाफियों ने पुस्तैनी जमीन का किया है 7 करोड़ में सौदा, सौदे के साथ नगर पंचायत की सार्वजनिक भूमि पर दिखाया अपना अधिकार, ताकि कमाया जा सके मोटा मुनाफा
- शोहरतगढ़ कस्बे के कई स्थानों पर चल रहा है प्लाटिंग का कार्य, अधिकारियों को नही मिल रही खबर?

बनाते हुए अबैध निर्माण को हटवा दिया था, जिसके साक्ष्य और घटना के चश्मदीद आज भी मौजूद है, किन्तु फिर भूमाफियों के हौसले बुलन्द है, इतने बुलंद है जो जबरिया मकान के अलावा नगर पंचायत की सार्वजनिक भूमियों पर अवैध कब्जा कर रहे है, जो लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकार बताते है कि अनुबन्ध के आधार पर संजय जमीन का सौदा करीब 7 करोड़ रुपये में हुआ है और भूमाफिया पुस्तैनी जमीन से अधिक भूमि पर जबरिया निर्माण कर रहे है। चौयरमैन उमा अग्रवाल ने कहा कि जानकारी मिलने पर दोपहर में ही निर्माण कार्य रुकवा दिया गया था, उन्हें नगर पंचायत प्रशासन से नक्सा स्वी.त और ले–ऑउट के लिए कहा गया है, बिना नक्सा स्वी. ति के किसी प्रकार का निर्माण नही होने पायेगा। उन्होंने यह भी कहा है कि भूमाफियों के विरुद्ध अभियान चलाकर सख्ती के साथ कार्यवाही की जाएगी, जरूरत पड़ने पर बुलडोज़र भी चलेगा। उक्त के सन्दर्भ में अधिशासी अधिकारी नवीन कुमार सिंह ने कहा कि अबैध अतिक्रमण को लेकर शख्ती के साथ कार्यवाही की गई है। अबैध निर्माण हटवाकर दिया गया। साथ ही अबैध अतिक्रमणकारियों के बिरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

उसका भठिया मार्ग बदहाल, आवागमन चुनौतीपूर्ण

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार सिद्धार्थनगर। बरसात के इन दिनो में उसका

भठिया मार्ग काफी बदहाल है। आधा दर्जन जगहो पर सड़क टूटने एवम जलजमाव के कारण आवागमन प्रभावित हो गया है। बकैनिहा, सरौली, मुरिहवा, सेमरहना, भठिया चौराहा से पहले मुख्य सड़क पर बरसात का पानी जमा है। सड़क खराब होने से लोगो को लंबी दूरी तय करके अथवा जान जोखिम में डालकर जाना आना पड़ रहा है। उसका से भठिया बाजार, बंगला चौराहा, लेहड़ा दुर्गा मंदिर आदि जाने का यह यही सुगम मार्ग है। बरसात पूर्व नए सिरे से इस मार्ग का मरम्मत कार्य होना था। लेकिन ठेकेदार द्वारा समय से कार्य नही कराया गया। जिसके कारण लोगो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र को कोल्हुआ, खैरा, उंटापार, बिंदेसरपुर, बरौली, हसरामपुर, सीतारामपुर, नरसिंहपुर, सेमरहना, सूर्यपुरवा, इमामपुर, मुजहना आदि दर्जनों गांव के लोगो का सुगमता से आने जाने का रास्ता है। क्षेत्रीय नागरिक अमित जायसवाल, सुनील जायसवाल, जयप्रकाश, सिद्धार्थ मिश्रा, सुभाष यादव आदि लोगो ने शीघ्र वैकल्पिक रूप से सड़क का कार्य कराने की मांग किया है जिससे आवागमन सुचारू रूप से चालू हो सके।

सांसद पाल की अगुवाई ने निकाली गई विशाल तिरंगा यात्रा

बुद्ध का संदेश

संवाददाता / श्रवण पटवा

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगरः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आवाहन पर आयोजित मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत शोहरतगढ़ क्षेत्र के कंदवा बाजार से बाणगंगा चौराहे तक सांसद जगदंबिका पाल की अगुवाई में विशाल तिरंगा शोभा यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम की शुरुआत कंदवा चौराहे से की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि आजादी के 75वें वर्ष पूरे होने पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अमृत महोत्सव कार्यक्रम अंतर्गत सभी जिलों में अमृत सरोवर, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, हर घर को आवास, सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए है। उन्होंने यह भी कहा कि 9 अगस्त 1942 को मुम्बई के ग्वालियर में जैसे गाँधी जी ने अंग्रेजों भारत छोड़ो, करो या मरो का नारा दिया था, उसी प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचार मुक्त भारत की परिकल्पना की है। उन्होंने भ्रष्टाचार भारत छोड़ो, परिवाद भारत छोड़ो, तुष्टिकरण भारत छोड़ो का नारा दिया है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहल पर ही यूक्रेन–रूस युद्ध का युद्ध विराम हुआ और भारत ही नही अन्य देश के विद्यार्थियों ने हाथ मे तिरंगा लेकर वहाँ से निकले थे, यह भारत के तिरंगे की ताकत है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं पर भी अपनी बात रखी।कार्यक्रम को प्रधान संगठन जिला अध्यक्ष डॉ पवन मिश्रा, चौयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, भाजपा नेता सुधांशु बोरा, नरेन्द्र मणि त्रिपाठी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख कैशलेन्द्र मणि त्रिपाठी, फरसा बाबा, चिल्हिया मण्डल अध्यक्ष रमेश मणि त्रिपाठी, पद्माकर शुक्ला ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का आयोजक ग्राम प्रधान जावेद अलाम ने किया। इस दौरान ग्राम प्रधान सुनील सिंह, पिन्टू पटेल, प्रधान तड़िया अजय कुमार चौहान, पप्पू गुप्ता, राज नेत चौरसिया, प्रधान पप्पू गुप्ता, प्रधान नैयर, पूरब प्रधान कपूर चंद, कंदवा प्रधान कालीचरण यादव, राधे बाबा, अखिलेश तिवारी, रमेश, संजय दूबे, संजय पाण्डेय, पूर्व प्रधान शकील डॉन, सांसद प्रभारी सूर्य प्रकाश पाण्डेय, शिवरतन कन्नौजिया, अनिल अग्रहरी, श्रीराम चौहान, सोनू निगम, घनश्याम गुप्ता आदि मौजूद रहे। इंस्पेक्टर पंकज कुमार पाण्डेय की अगुवाई की सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए।

- तिरंगा यात्रा में सांसद पाल ने पीएम मोदी के कार्यो की गिनाई उपलब्धियां
- यूक्रेन-रूस युद्ध के दौरान हाथ में तिरंगा लेकर निकले विदेशियों की भी बची थी जान-सांसद पाल

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत भाजपा बर्डपुर मंडल में मेरी माटी मेरा देश अभियान आयोजित हुआ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगरः आजादी का अमृत महोत्सव के तहत भारतीय

जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे मेरी माटी मेरा देश अभियान को लेकर रविवार को भारतीय जनता पार्टी बर्डपुर मंडल के कार्यकर्ताओं ने मण्डल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय के अगुवाई में नगर पंचायत कपिलवस्तु के सोनबरसा निवासी सेवानिवृत्त पूर्व सैनिक बृजेश सिंह के निवास सोनबरसा पहुंचकर उन्हें तिरंगे का पटका एवं अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके गांव की मिट्टी को अमृत कलश में रखकर भारत माता की जय, वन्दे मातरम् के जयकारों के साथ सभी ने पंचप्राण की प्रतिज्ञा ली। इस दौरान मंडल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय ने कहा कि इस देश की माटी हम सबको जोड़ती है इसलिए इस माटी का नमन और वीरों को वंदन के भाव के साथ मण्डल के प्रत्येक बूथों पर मेरी माटी मेरा देश अभियान आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने मंडल के समस्त कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से उक्त अभियान को आयोजित करते हुए अमृत कलश में गांव की मिट्टी के साथ पंच प्राणों की शपथ दिलाए जाने तथा हर घर तिरंगा फहराए जाने को लेकर जागरूक किए जाने की अपील किया। जिला मंत्री किसान मोर्चा अमित उपाध्याय जि0पं0स0 सब्लू साहनी, किसान मोर्चा अध्यक्ष विवेक गोस्वामी, विनय कुमार वर्मा, हृदय नारायण पाण्डेय, विनय कुमार राव, अरुण जयसवाल ,कुलदीप यादव, दुर्गेश कुमार आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

मणिपुर में बिगड़ते हालात

इस बिल के कानून बनने के बाद ऐसा करना जोखिम भरा हो जाएगा। पत्रकारों और मीडिया घरानों पर इस कानून के तहत कार्रवाई का खतरा मंडराता रहेगा। सरकार का दावा है कि यह कानून नागरिकों के डेटा को संरक्षित करने के लिए बनाया जा रहा है। मगर बिल के प्रावधानों से ऐसा भरोसा नहीं बंधा है। बेहतर होता कि सरकार सभी हित–...

मणिपुर में हालात ऐसे बन गए हैं कि वहां की पुलिस कथित तौर पर सिर्फ मैतई समुदाय के संरक्षक बल के रूप में काम कर रही है। ऐसे में उसकी निगाह में अर्धसैनिक दस्तों का अल्पसंख्यक कुकी समुदाय के लोगों को संरक्षण देना अपराध बन गया है। मणिपुर में अशांति की शुरुआत हुए तीन महीना गुजर गए हैं, लेकिन आज भी हर रोज आने वाली खबर वहां लगातार बिगड़ रहे हालात का संकेत दे रहे हैं। अब तक बात दो समुदायों के बीच हो रही हिंसा की थी। लेकिन अब झगड़ा राज्य पुलिस और एक अर्ध सैनिक बल के बीच तक पहुंच गया है। पहले एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स के जवान आपस में तू तू–मैं मैं करते देखे गए। फिर खबर आई कि असम सरकार ने चूराचांदपुर और विष्णुपुर के बीच मौजूद एक चौकी से असम राइफल्स की टुकड़ी को हटने का आदेश दिया। अब खबर आई है कि मणिपुर पुलिस ने असम राइफल्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दिया है। इसमें असम राइफल्स पर कुकी चरमपंथियों को भागने का मौका देने और उन्हें संरक्षण देने का इल्जाम लगाया गया है। यहां इस बात को रेखांकित करने की जरूरत है कि असम राइफल्स की कमान भारतीय सेना के पास है। क्या बात किसी आम कल्पना में समा सकती है कि भारतीय सेना उग्रवादियों की मदद कर रही है? लेकिन मणिपुर में हालात ऐसे बन गए हैं कि वहां पुलिस कथित तौर पर सिर्फ मैतई समुदाय के संरक्षक बल के रूप में काम कर रही है। ऐसे में उसकी निगाह में संभवतरू अर्धसैनिक दस्तों का अल्पसंख्यक कुकी समुदाय के लोगों को संरक्षण देना अपराध बन गया है। यह बहुत खतरनाक स्थिति है। इस पर तुरंत नियंत्रण कायम नहीं किया गया, तो स्थितियां हमारी आशंकाओं से भी ज्यादा बिगड़ सकती हैं। यह अच्छी बात है कि लोकसभा में नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव से देश का ध्यान मणिपुर के हालात पर टिका है। विपक्षी नेताओं ने वहां की स्थितियों का विस्तार वर्णन कर देश को इस बारे में आगाह किया है। अब अपेक्षित है कि जब प्रधानमंत्री जब जवाब दें, तो वे इस दौरान उठे गंभीर प्रश्नों के ठोस उत्तर प्रस्तुत करें। उससे मणिपुर में स्थितियों को बेहतर करने में मदद मिलेगी और सारे देश में भरोसा पैदा होगा। लेकिन अगर प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया, तो फिर अविश्वास का माहौल और गहरा जाएगा।

सिंहेश्वरी धाम स्थित शिवलिंग की महिमा निराली है

जनपद सिद्धार्थ नगर मुख्यालय पर ही माता सिंहेश्वरी का धाम है। एक टीले पर यह बसा हुआ यह एक ऐतिहासिक मंदिर है। माता सिंहेश्वरी को लोक भाषा में पूजित सिंहिया माई की महिमा निराली है। वे माता दुर्गा जी का प्रतिरूप हैं। यहीं भगवान भोलेनाथ के मंदिर में अत्यंत जागृत शिवलिंग है। विगत चालीस वर्षों से मैं यहां पर भगवान भोलेनाथ के दर्शनार्थ जाता रहता हूं। फिलहाल इसका इतिहास ढाई हजार वर्षों का है। बचपन में अम्मा श्रावण मास में शिवलिंग पर जल जरूर चढ़ाती थीं। सोमवार के दिन यहां श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। कहते हैं कि जिन दंपत्तियों को संतान नहीं होती भगवान भोलेनाथ उसकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। जनपद सिद्धार्थ नगर की पहचान को भले ही गौतम बुद्ध ने महिमा मंडित कर लिया हो किंतु जनपद की एक पहचान यहां के विभिन्न भौगोलिक भू भागों में स्थित प्राचीन शिव के मंदिर हैं। निश्चित रूप से जनपद सिद्धार्थ शैव मतावलंबियों का बहुत बड़ा केंद्र रहा होगा। आज भी घने रुप में निर्मित शिव मंदिर यहां की सांस्तिक अस्मिता और विरासत को पुष्पित पल्लवित कर रहे हैं। प्रत्येक दो से तीन किलीमीटर पर एक शिव मंदिर सहसा आपके ध्यान को आकर्षित करता है। प्रत्येक मंदिर आपकी श्रद्धा के केंद्र होते हैं।सिंहेश्वरी मंदिर परिसर में स्थित शिव लिंग के दर्शन से भक्तों के दुःख दर्द कट जाते हैं और भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से हम अभिभूत हो उठते हैं। जो लोग बारह ज्योतिर्लिंगों में से किसी भी ज्योतिर्लिंग का दर्शन अब तक न कर एवं पाए हों वे माता सिंहेश्वरी के दरबार में जाकर पवित्र शिव लिंग का दर्शन जरूर करें। हर हर महादेव।

लेखक विनय कांत मिश्र। / दैनिक बुद्ध का संदेश

उत्तर कोरिया कर रहा युद्ध की तैयारी!

उसमें नए–नए किस्म के हथियार शामिल हो रहे हैं। फिर, चीन और रूस पूरी तरह किम जोंग के साथ हैं। एक समय था जब चीन और रूस भी संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा उत्तर कोरिया पर लगाये गए प्रतिबंधों का पालन करते थे। परन्तु किम जोंग के रूस के यूक्रेन पर हमले को जोरदार और खुल्लम–खुल्ला समर्थन के बाद से रूस और चीन संयुक्त राष्ट्र संघ में उत्तर कोरिया के खिलाफ प्रस्तावों को पास नहीं होने दे रहे हैं...

श्रुति व्यास

क्या युद्ध ही हर समस्या का हल है? क्या हम मनुष्य युद्ध के बिना रह ही नहीं सकते? ऐसा ही लगता है।अब दुनिया को एक नए इलाके से युद्ध के नगाड़ों की आवाज सुनायी दे रही है। ये नगाड़े बज रहे हैं उत्तर कोरिया में जहाँ के सुप्रीमो किम जोंग उन ने सेना के सबसे बड़े जनरल को चलता कर दिया है और हथियारों का उत्पादन और सैनिक अभ्यास बढ़ाने का हुक्म दिया है। जाहिर है यह जंग की तैयारी है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के मुताबिक किम जोंग ने बुधवार को जो बैठक बुलाई थी उसका एजेंडा था युद्ध की तैयारी। किम ने हथियार बनाने के कई बड़े कारखानों का दौरा किया, जिसके बाद वे पूरी तरह युद्ध की मुद्रा में आ गए।

अमेरिका को शक है कि यूक्रेन में चल रहे युद्ध को लडने में रूस की मदद करने के लिए उत्तर कोरिया उसे तोप के गोले, राकेट, मिसाइलें और अन्य असलहा सप्लाई कर रहा है। पिछले महीने उत्तर कोरिया ने एक विशाल डिफेन्स एक्सपो का आयोजन किया था। इस मौके पर एक बड़ी परेड भी हुई। उस समय कोरिया की यात्रा पर आये रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु को किम उनके देश के सबसे नए और सबसे आधुनिक हथियार, जिनमें शामिल हैं बैलिस्टिक मिसाइलें और जासूस ड्रोन, बनाने के कारखानों में ले गए। परेड में भी आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान वहां रूसी और चीनी अधिकारी थे।

सरकारी मीडिया के मुताबिक किम जोंग ने हाल में लगातार तीन दिनों तक हथियारों के बड़े कारखानों का निरीक्षण किया। इनमें क्रूज मिसाइलों के इंजन बनाने वाले कारखाने शामिल थे। उन्होंने आव्हान किया कि हथियारों का उत्पादन बढ़ाया जाना चाहिए।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया का संयुक्त सैन्य अभ्यास 21 से 24 अगस्त तक होने जा रहा है। उत्तर कोरिया का दावा है कि इस तरह के अभ्यास उसकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं और दरअसल, उस पर हमले की रिहर्सल हैं। इस बीच उत्तर कोरियाई गणतंत्र की स्थापना के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 9 सितम्बर को सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त नागरिकों की परेड निकाली जाएगी।

इसमें कोई शक नहीं कि दुनिया और उसकी आम चाहतों से दूरी बनाये रहने के बावजूद, उत्तर कोरिया की सैन्य ताकत में जबरदस्त वृद्धि हुई है। महामारी के दौरान उत्तर कोरिया को एक दुर्ग में बदल दिया गया था। चीन के साथ सीमा को सील कर दिया गया था, सीमा पर एक नयी बाड़ लगा दी गई थी और उसे पार करने की कोशिश करने वालों को तुरंत गोली मार देने का हुक्म था। वहां पर्यटकों की आवाजाही पर भी कई तरह की रोके हैं और केवल चुनिंदा देशों के लोगों को आने दिया जाता है। महामारी भले ही खघ्त्म हो गयी हो परन्तु उत्तर कोरिया ने अपने दरवाजे अब भी बंद कर रखे हैं। चीनी और रुसी अधिकारियों, जिन्हें बाकायदा बुलाया जाता है, के अलावा हाल का एकमात्र अनापेक्षित मेहमान वह अमरीकी सैनिक था जो ष्रास्ता भटकष् कर उत्तर कोरिया में पहुँच गया। बाकी दुनिया से दूर रहने और उनके देश पर तरह–तरह के प्रतिबंधों के बाद भी किम जोंग के पास धन की कोई कमी नहीं है और उनका न्यूक्लियर कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह बात अलग है कि देश के आम नागरिक भूख और कुपोषण से मर रहे हैं। दुनिया उन्हें और उनकी कारगुजारियों को नजरअंदाज कर रही है क्योंकि वह पुतिन के यूक्रेन पर हमले और अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव को ज्यादा अहम मानती है।

उत्तर कोरिया से सुनायी दे रहे युद्ध के नगाड़ों को गंभीरता से लिया जाना होगा। किम और उनके परिवार का देश पर शिकंजा कसता जा रहा है। हथियारों का उसका जखीरा बड़ा होता जा रहा है। उसमें नए–नए किस्म के हथियार शामिल हो रहे हैं। फिर, चीन और रूस पूरी तरह किम जोंग के साथ हैं। एक समय था जब चीन और रूस भी संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा उत्तर कोरिया पर लगाये गए प्रतिबंधों का पालन करते थे। परन्तु किम जोंग के रूस के यूक्रेन पर हमले को जोरदार और खुल्लम–खुल्ला समर्थन के बाद से रूस और चीन संयुक्त राष्ट्र संघ में उत्तर कोरिया के खिलाफ प्रस्तावों को पास नहीं होने दे रहे हैं। इसके साथ ही किम परिवार के अंदरूनी झगड़े भी सुलझ गए हैं। उनकी बहन को काम दिया गया है और दुनिया को बता दिया गया कि किम की लड़की उनकी उत्तराधिकारी होगी। अब किम चिंतामुक्त होकर युद्ध की तैयारी कर सकते हैं।सो दुनिया के आगे खतराहै। रूस और चीन अकेले नहीं हैं और ना ही उत्तर कोरिया। तीनों एक–दूसरे के साथ हैं।

बिना चर्चा के विधेयक पास होने के खतरे

सो, इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकार मनमाने तरीके से कानून बना रही है और शक्तियों का केंद्रीकरण कर रही है। लेकिन इस काम में कुछ हद तक विपक्ष भी शामिल है क्योंकि विपक्षी पार्टियां अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर रही हैं। वे राजनीतिक लाभ पहुंचाने वाले मुद्दों को पकड़ कर संसद परिसर में प्रदर्शन करती रहती हैं ताकि अधिकतम मीडिया कवरेज मिले। जबकि उनकी...

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय वित्त व गृह मंत्री और राज्यसभा सांसद पी चिदंबरम ने छह अगस्त को इंडियन एक्सप्रेस अखबार के अपने साप्ताहिक स्तंभ में श्लेजिस्लेटिंग ऑथोरिटेरियनिज्म शीर्षक से लेख लिखा। इस शीर्षक का मोटा–मोटी अनुवाद यह है कि अधिनायकवाद को विधायी रूप देना या विधायी अधिनायकवाद। उन्होंने अपने लेख में संसद में पेश हुए या पास हुए तीन विधेयकों का जिक्र किया।उन्होने बताया कि कैसे इन विधेयकों के जरिए ऐसे कानून बनाए जा रहे हैं, जो कानूनी रूप से सही नहीं हैं। उन्होंने सिर्फ तीन विधेयकों का जिक्र किया लेकिन इनके अलावा भी कई विधेयक हैं, जिनसे केंद्र सरकार राज्यों के अधिकार छीन रही है, संघवाद की अवधारणा को चोट पहुंचा रही है और लोगों के निजता के अधिकार को भी चोट पहुंचा रही है। सरकार ने जिस मनमाने तरीके से ये विधेयक तैयार किए और जिस अंदाज में इसे पास कराया उससे देश की संघीय और संवैधानिक व्यवस्था के सामने जैसी चुनौतियां पैदा हुई हैं उनके बारे में चिदंबरम ने लिखा है। लेकिन सवाल है कि जो बातें उन्होंने लेख में लिखी हैं, वह बात उन्होंने संसद में क्यों नहीं कही? उनकी पार्टी कांग्रेस, जो संसद के दोनों सदनों की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है उसने वहां इन बातों को क्यों नहीं उठाया? क्या इसलिए कि उनकी पार्टी मणिपुर के मसले पर प्रधानमंत्री से बयान की मांग कर रही थी और सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले रही थी? जितना बड़ा खतरा चिदंबरम को इन विधेयकों के पास होने से दिख रहा है उतना ही बड़ा खतरा संसद में विधेयकों पर चर्चा नहीं होना या विपक्षी पार्टियों का उस चर्चा में हिस्सा नहीं लेना भी है। ऐसा लग रहा है विपक्षी पार्टियां विधायी लड़ाई संसद के बाहर लड़ रही हैं। यह सही है कि सरकार के पास जिस तरह का बहुमत है उसे देखते हुए विपक्षी पार्टियां विधेयक को रोक नहीं सकती हैं। लेकिन संसद के अंदर अगर विपक्षी पार्टियां बहस में हिस्सा लेतीं तो वे विधेयकों की कमियां सामने लातीं। अपनी तरफ से संशोधन पेश करतीं, बेशक वह संशोधन नहीं मान्य होता। विधेयक की कमियों के बारे में लोगों को जागरूक करतीं। इसके खतरे बतातीं। लेकिन जब संसद में बिल पास हो रहे थे तब विपक्ष संसद परिसर में नारेबाजी कर रहा था और बिल पास हो जाने के बाद विपक्षी नेता लेख लिख कर या ट्विट करके उसका विरोध कर रहे हैं। पी चिदंबरम ने भी यही काम किया। उन्होंने बताया कि वन संरक्षण संशोधन कानून लागू होने से कितना नुकसान होना है। इस बिल में सहारे बड़े वन क्षेत्र को संरक्षित श्रेणी से हटाया जा रहा है। इसके कई प्रावधान सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और 2006 के वन अधिकार कानून के उलट हैं। इसमें यह प्रावधान किया गया है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के एक सौ किलोमीटर के अंदर जंगल की जमीन राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी परियोजनाओं के लिए इस्तेमाल की जा सकती है। सोचें, यह कानून बनने के बाद समूचा पूर्वोत्तर और हिमालय क्षेत्र कितना प्रभावित होगा? इसका पूरा वन क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय सीमा से सौ किलोमीटर के दायरे में ही आता है। विपक्ष चाहता था कि बिल पर संसद की स्थायी समिति में विचार हो लेकिन सरकार ने स्थायी समिति की बजाय इसे संयुक्त प्रवर समिति को भेजा और वहां अपने बहुमत के दम पर इसे मंजूर करा लिया। प्रवर समिति के छह विपक्षी सांसदों ने अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया। इस बिल के कानून बनने से वन आच्छादित क्षेत्र में कमी आएगी, खास कर सीमावर्ती इलाकों में। इसी तरह मल्टी स्टेट सहकारिता संशोधन कानून है, जिसमें यह प्रावधान किया गया है कि केंद्र सरकार की ओर से बनाया गया एक प्राधिकरण सभी सहकारिता सोसायटीज के चुनाव कराएगा। इसके अलावा यह भी प्रावधान किया गया है कि इसके सदस्यों की किसी भी शिकायत का निवारण केंद्र सरकार की ओर से नियुक्त ओम्बुड्समैन करेगा। तीसरा कानून, जिसका जिक्र पी चिदंबरम ने किया वह दिल्ली सरकार के अधिकारियों के ट्रांसफर–पोस्टिंग से जुड़ा है। इसका नाम जीएनसीटीडी संशोधन कानून है। सुप्रीम कोर्ट ने मई में एक फैसले के जरिए दिल्ली सरकार के अधिकारियों के ट्रांसफर–पोस्टिंग का अधिकार दिल्ली सरकार को दिया था। लेकिन बाद में केंद्र सरकार ने एक अध्यादेश के जरिए इस फैसले को पलट दिया और अधिकारियों के ट्रांसफर–पोस्टिंग के लिए तीन सदस्यों का एक प्राधिकरण बना दिया। मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण के अध्यक्ष होंगे और उनके अलावा दो वरिष्ठ अधिकारी उसके सदस्यों होंगे। फैसला बहुमत से होगा और अंतिम फैसला उप राज्यपाल करेंगे। आमतौर पर माना जा रहा है कि दिल्ली की चुनी हुई सरकार के अधिकार छीन कर परदे के पीछे से सरकार चलाने की केंद्र की योजना का यह भी एक पार्ट है। दिलचस्प बात है कि आम आदमी पार्टी ने इस बिल को ऐसे पेश किया, जैसे यह इस देश के सामने मौजूद सबसे बड़ा संकट हो। उसके नेताओं ने खुलेआम कहा कि जो इस बिल का साथ दे रहा है वह देशद्रोही है और विपक्ष के नेता खुशी–खुशी इस नैरेटिव को बढ़ाने में उसके साथ शामिल हो गए। संसद के मानसून सत्र में यह एकमात्र बिल है, जिस पर दोनों सदनों में हुई चर्चा में विपक्ष के सांसद शामिल हुए। सोचें, अगर विपक्षी पार्टियां मणिपुर के मसले पर प्रधानमंत्री का बयान मांगने के अपने अभियान को स्थगित करके या सीमित करके दिल्ली सरकार से जुड़े बिल पर बहस में हिस्सा ले सकती थीं तो उन्होंने बाकी जरूरी विधेयकों पर बहस में हिस्सा क्यों नहीं लिया? जीएनसीटीडी संशोधन बिल पर बहस से विपक्ष का व्रत नहीं टूटा और वन संरक्षण या मल्टी स्टेट सहकारिता या जन विश्वास या डाटा संरक्षण या माइंस एंड मिनरल्स बिल पर बहस में हिस्सा लेने से व्रत टूट जाता?

जिस तरह से पी चिदंबरम ने बिल पास होने के बाद लेख लिख कर रूदन किया है उसी तरह कांग्रेस की प्रवक्ता और सोशल मीडिया सेल की इंचार्ज सुप्रिया श्रीनेत ने ट्विट करके जन विश्वास बिल की आलोचना की। ध्यान रहे यह बिल आम आदमी के लिए बेहद चिंताजनक है। इसमें प्रावधान है कि अगर किसी घटिया दवा से इलाज की वजह से मरीज की तबियत और खराब होती है या उसका निधन होता है तो दवा बनाने वाली कंपनी में किसी पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। किसी को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। उसे सिर्फ जुर्माना लगाया जाएगा। यह बात सुप्रिया श्रीनेत ने अपने ट्विट में भी कही। तो सवाल है कि उनकी पार्टी ने यह बात संसद में क्यों नहीं उठाई? जिस समय बिल पास हो रहा था उस समय कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के सांसद क्या कर रहे थे? किसी भी विपक्षी सांसद ने एक शब्द इस विधेयक के बारे में नहीं बोला है।

इसी तरह डाटा संरक्षण बिल का मामला है। इसके प्रावधानों को लेकर अनेक सामाजिक कार्यकर्ता सवाल उठा रहे हैं। सूचना अधिकार के लिए लडने वाले कार्यकर्ताओं ने इस पर आपत्ति की है लेकिन विपक्ष ने लोकसभा में इस पर बहस में हिस्सा नहीं लिया? यह बिल आम नागरिक के निजता के अधिकार को कमजोर करता है। यह बिल सूचना के अधिकार कानून को कमजोर करता है।

एशियाई खेलों के लिए भारत की तैयारी में एसीटी की खिताबी जीत वास्तव में मायने रखेगी: फुल्टन

चेन्नई। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि ऐसे समय में जबकि भारत की निगाहें एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए स्वतरू क्वालीफाई करने पर टिकी हैं, तब एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) की खिताबी जीत वास्तव में मायने रखेगी। भारतीय हॉकी टीम ने शनिवार को यहां दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके मलेशिया को 4–3 से हराकर रिकॉर्ड चौथी बार एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। अब जबकि 23 सितंबर से हांगझोउ में एशियाई खेल शुरू हो रहे हैं तब फुल्टन से पूछा गया कि क्या इस तरह के रोमांचक फाइनल से भारतीय टीम को महाद्वीपीय प्रतियोगिता में मदद मिलेगी।

फुल्टन ने कहा,''फाइनल हमेशा अजीब होते हैं। वह कभी ही मैं यह भी कहना चाहूंगा कि इस फाइनल को हार जाओ, तो

आसान नहीं होते। यह मैच भी शूटआउट तक जा सकता था। इस तरह के रोमांचक मैच का होना महत्वपूर्ण होता है क्योंकि वास्तव में यह मायने रखते हैं।'' उन्होंने कहा,'' इसके साथ यह (एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी) एशियाई खेल नहीं हैं, इसलिए हमें अति उत्साहित होने की जरूरत नहीं है। लेकिन अगर आप मुझसे पूछोगे कि एशियाई खेलों में जीत दर्ज करो और मैं निश्चित तौर पर एशियाई खेलों की जीत को चुनूंगा।'' भारत फाइनल में मध्यांतर तक 1–3 से पीछे चल रहा था लेकिन उसने दूसरे हाफ में शानदार वापसी की। भारत ने सेमीफाइनल में जापान हो 5–0 से करारी शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई थी।

फुल्टन ने कहा,'' मलेशिया के खिलाफ मैच वास्तव में शानदार रहा। इससे पहले जापान के खिलाफ मैच भी उच्च स्तर का रहा था। मलेशिया ने पहले हाफ में शानदार खेल दिखाया। हम भी बुरा नहीं खेले लेकिन हम शत प्रतिशत प्रतिबद्ध नहीं दिखे जैसा कि हम चाहते थे।'' उन्होंने कहा, ''हमने मध्यांतर के बाद खुद को संगठित किया। हमें केवल वापसी के लिए एक गोल की जरूरत थी। इसके बाद हम किसी भी समय बराबरी का गोल और उसके बाद निर्णायक गोल कर सकते थे। जिस तरह से टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की उससे उसके जज्बे का पता चलता है।

छह प्रांतों के चुनाव में तीन में प्रधानमंत्री के गठबंधन को मिली जीत, तीन में विपक्ष विजयी

कुआलालंपुर। मलेशिया में शनिवार को संपन्न हुए छह प्रांतों के चुनावों में प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के बहुदलीय गठबंधन और प्रतिद्वंद्वी इस्लामी पार्टी ने उम्मीद के अनुरूप तीन–तीन प्रांतों में जीत हासिल की। निर्वाचन आयोग ने घोषणा की कि अनवर के बहुदलीय गठबंधन को देश के दो सबसे अमीर प्रांतों सेलंगोर और पेनांग में जीत मिली, जबकि नेगेरी सेंबिलन में भी वह विजयी रहा। आयोग ने कहा कि विपक्षी पेरिकतान नेसनल (पीएन) गठबंधन ने केदाह, केलांतन और तेरेंगनू में जीत दर्ज की। पीएन गठबंधन में पैन–मलेशियन इस्लामी पार्टी शामिल है। जानकारों ने कहा, परिणाम से अनवर पर दबाव कुछ कम हुआ है और उनकी नयी सरकार की स्थिरता बढ़ेगी। हालांकि, उनके लिए आने वाला समय अभी भी चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री मुहिद्दीन यासिन के नेतृत्व वाले पीएन गठबंधन ने अच्छा प्रदर्शन किया है। पीएन गठबंधन ने छह प्रांतों की 245 सीटों पर चुनाव लड़ा, जिनमें से उसे 146 सीट पर जीत मिली है, जबकि अनवर का गठबंधन 99 सीट पर विजयी रहा है। मलेशिया के करीब 98 लाख मतदाता इन चुनावों में मतदान के लिए पात्र थे। निर्वाचन आयोग ने मतदान संपन्न होने से दो घंटे पहले कहा, प्रत्येक राज्य में 60 से 70 प्रतिशत तक मतदान हुआ है।'' चुनाव को पिछले साल नवंबर में हुए विभाजनकारी आम चुनाव के बाद अनवर के नेतृत्व और इस्लामिक विपक्ष के लिए जनमत संग्रह माना जा रहा था। प्रांतीय चुनाव के नतीजों का असर संघीय सरकार पर नहीं पड़ेगा, लेकिन इससे संकेत मिलेगा कि अनवर सरकार पांच साल का अपना कार्यकाल पूरा कर पाएगी या नहीं।

अच्छी फॉर्म जारी रखकर विश्व चौंपियनशिप में पदक जीतना चाहते हैं सेन

गुवाहाटी। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का लक्ष्य एशियाई खेलों में पहला पदक जीतना और विश्व रैंकिंग में चोटी के पांच खिलाड़ियों में जगह बनाना है लेकिन उनकी पहली प्राथमिकता अपनी हाल की शानदार फॉर्म जारी रखकर विश्व चौंपियनशिप में पदक जीतना है। सेन ने खराब दौर से गुजरने के बाद हाल में लय हासिल करके जुलाई में कनाडा ओपन में खिताब जीता और इसके बाद अमेरिकी ओपन और जापान ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे। अल्मोड़ा के रहने वाले इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 2021 में विश्व चौंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था और उन्हें उम्मीद है कि वह 21 अगस्त से डेनमार्क के कोपेनहेगन में होने वाली प्रतियोगिता में फिर से पदक जीतने में सफल रहेंगे।

सेन ने यहां भारतीय बैडमिंटन संघ के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन के मौके पर पीटीआई से कहा,''विश्व चौंपियनशिप में केवल एक सप्ताह का समय बचा है और मुझे लगता है कि मैंने जो पिछले टूर्नामेंट खेले हैं उनसे वास्तव में मुझे मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा,'' मेरी तैयारियां अच्छी चल रही हैं। पिछले कुछ टूर्नामेंट में मेरी फॉर्म अच्छी रही लेकिन अब भी कुछ नई चीजें सीखने और सुधार करने की गुंजाइश है। मैंने हाल में कुछ अच्छे मैच खेले हैं और इससे मुझे काफी

आत्मविश्वास मिलेगा।'' सेन ने कहा,'' अगले एक सप्ताह या 10 दिन में मैं वास्तव में अच्छा अभ्यास और उसके बाद विश्व चौंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं।'' एशियाई खेल चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक खेले जाएंगे और सेन का लक्ष्य इन खेलों में पदक जीतना है।

उन्होंने कहा,'' यह वास्तव में बड़ी प्रतियोगिता है जो चार साल में एक बार आयोजित की जाती है इसलिए यह विशेष है। मैं इस तरह की बड़ी प्रतियोगिताओं में दो बार खेला हूं। मैंने युवा ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लिया था इसलिए सभी खिलाड़ियों से मिलना और अलग खेलों को देखना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा।'' सेन ने कहा,'' इसलिए मैं एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं लेकिन अभी मेरी पहली प्राथमिकता विश्व चौंपियनशिप है और उसके बाद हम एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।''

सेन विश्व रैंकिंग में अभी 11वें नंबर पर हैं और उनका लक्ष्य अगले साल तक चोटी के पांच खिलाड़ियों में शामिल होना है। उन्होंने कहा,'' मैं जल्द ही अपने को विश्व के चोटी के आठ खिलाड़ियों में देखना चाहता हूं और मेरा लक्ष्य ओलंपिक क्वालीफिकेशन समाप्त होने तक शीर्ष पांच खिलाड़ियों में जगह बनाना है। लेकिन मुझे कई टूर्नामेंट में खेलना है और मेरी प्राथमिकता बड़े टूर्नामेंट में जीत दर्ज करना है। इससे रैंकिंग में अपने आप ही सुधार होगा।

जेसिका पेगुला शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को हराकर मॉन्ट्रियल ओपन के फाइनल में

मॉन्ट्रियल। अमेरिका की जेसिका पेगुला ने तीन सेट तक चले

कड़े मुकाबले में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को पराजित करकेनेशनल बैंक मॉन्ट्रियल ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। पेगुला ने स्वियातेक की 11 बार सर्विस तोड़ी और 6–2, 6–7 (4), 6–4 से जीत दर्ज की। यह पिछले दो वर्षों में पहला अवसर है जबकि यह अमेरिकी खिलाड़ी सेमीफाइनल की बाधा को पार करने में सफल रही। बारिश के कारण कजाकिस्तान कीतीसरी वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना और रूस की 15वीं वरीयता प्राप्त ल्यूडमिला सैमसोनोवा के बीच रात को होने वाला दूसरा सेमीफाइनल रविवार तक के लिए स्थगित करना पड़ा।

ग्रामीण वृद्धि ने शहरी मांग को पीछे छोड़ा, अगले छहमहीने तक जारी रहेगा यह रुझान: पिडिलाइट एमडी

नयी दिल्ली। भारतीय कंपनी पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक (एमडी) भरत पुरी ने कहा कि वैश्विक महामारी के बाद पिछड़ रही ग्रामीण वृद्धि ने शहरी मांग को पीछे छोड़ दिया है और अच्छे मानसून के कारण यह प्रवृत्ति अगले छह महीने तक जारी रहने की संभावना है। पुरी ने कहा कि इसके अलावा दो वर्ष की अस्थिरता के बाद मुद्रास्फीति का दबाव कम हुआ है और अब उन्हें इनपुट कीमतों में ''स्थिरता'' की उम्मीद है, जिससे बाजार में वापस निवेश करने के कई अवसर खुलेंगे। पुरी ने कहा कि वह ''बेहद आशावादी'' हैं क्योंकि स्पष्ट रूप से निर्माण गतिविधि में वृद्धि हुई है, जिससे मांग बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने हाल ही में पेंट्स बाजार में प्रवेश किया है और दो–तीन राज्यों में उसकी उपस्थिति है। कंपनी उपभोक्ताओं की प्रतिक्रिया के आधार पर अन्य बाजारों में भी विस्तार करेगी। पिडिलाइट के लिए यह एक 'ऑर्गेनिक' बिजनेस है, जो लगातार बढ़ेगा। पुरी ने एक गोलमेज सम्मेलन में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लेते हुए कहा कि दूसरी तिमाही में अभी तक बारिश के कारण चीजें प्रभावित हुई हैं, लेकिन कुल मिलाकर इन सब चीजों के स्थिर होने पर पहली और दूसरी तिमाही की स्थितियों के बीच कोई बड़ा अंतर नहीं दिखता है। कंपनी फेविकोल, एम–सील, फेविक्विक, फेविस्टिक, रॉफ, डॉ. फिक्सिट और अरलडाइट सहित कई ब्रांडों के तहत विविध उत्पादों का विनिर्माण करती है।

कनाडा के मंदिर में खालिस्तान समर्थकों ने तोड़फोड़ कर चिपकाए पोस्टर, इस साल की चौथी घटना

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानियों ने शनिवार देर रात एक लक्ष्मी नारायरण मंदिर में तोड़फोड़ की और उसके मुख्य दरवाजे पर अपने पोस्टर चिपकाए। तोड़फोड़ के बाद भारतीय समुदाय में आक्रोश फैल गया। बता दें कि इस मंदिर में अप्रैल 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रार्थना की थी। अधिकारियों ने कहा कि ब्रिटिश कोलंबिया के सबसे पुराने मंदिरों में से एक, सरे में लक्ष्मी नारायण मंदिर की दीवारों और गेट पर ष्खालिस्तान समर्थकष पोस्टर लगाए गए थे। पोस्टर पर खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की तस्वीर भी लगी है। पोस्टर के जरिए कनाडा से निज्जर की हत्या में भारत की भूमिका की जांच कराने की मांग की गई है। निज्जर पर सरकार ने 10 लाख का इनाम भी रखा था।

दरअसल, निज्जर अलगाववादी संगठन खालिस्तान टाइगर फोर्स का चीफ था। पोस्टरों में कनाडा से 18 जून को खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की मौत में

भारत की ष्भूमिकाष की जांच करने का आह्वान किया गया। खालिस्तानियों का दावा है कि इसके पीछे भारत सरकार का हाथ है। वहीं, इस साल कनाडा में खालिस्तानियों की तरफ से मंदिर में की गई तोड़फोड़ का ये तीसरा मामला है। मंदिर में तोड़फोड़ की वारदत सुरक्षा कैमरे में कैद हो गई है। वीडियो में दो नकाबपोश व्यक्ति को मंदिर की दीवारों और गेट पर पोस्टर चिपकाते हुए दिखाया गया है। खालिस्तान टाइगर फोर्स और सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) की कनाडाई शाखा का नेतृत्व करने वाले नामित आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की इस साल जून में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस साल देश में मंदिर में तोड़फोड़ की यह चौथी घटना है। इस साल अप्रैल में, ओंटारियो में स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड़ की गई थी। फरवरी में, कनाडा के मिसिसॉगा में राम मंदिर पर हमला किया गया था, और जनवरी में ब्रैम्पटन में एक मंदिर को भारत विरोधी भित्तिचित्रों से विरूपित किया गया था।

निज्जर की हत्या पर सिख फॉर जस्टिस की तरफ से जारी पोस्टर में कनाडा में भारतीय दूतावास के अधिकारियों की फोटो लगाई गई हैं। पोस्टर पर लिखा है कि इनके घरों का पता बताने वालों को 10 हजार अमेरिका डॉलर दिए जाएंगे। भारत में युवाओं को विदेश में सेटल करने का लालच देकर आतंकी गतिविधियां करवाने वाला खालिस्तानी पन्नू कनाडा में इनाम का लालच देकर अधिकारियों में दहशत मचाकर अपना दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। पोस्टर में लिखा निज्जर की हत्या का क्रिमिनल केस चलाएंगे। सिख फॉर जस्टिस के नाम से अमेरिका के वॉशिंगटन से जारी पोस्टर में लिखा है कि निज्जर के हत्यारों के कनाडा के ओटावा, वैंकूवर और टोरंटो में घरों के पते बताने वालों को इनाम दिया जाएगा। इन्हें ढूंढ कर कनाडा में निज्जर की हत्या पर क्रिमिनल प्रोसिजर के तहत इन पर आपराधिक मामला चलाया जाएगा।

डेलॉयट ने की थी हिंडनबर्ग के आरोपों की बाहर से स्वतंत्र जांच की मांग

नयी दिल्ली। अडाणी समूह की एक कंपनी से लेखा परीक्षक के तौर पर इस्तीफा देने से पहले डेलॉयट ने अमेरिकी शॉर्टसेलर

हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों की बाहर से स्वतंत्र जांच कराने की मांग की थी। कंपनी ने हालांकि कहा कि आरोपों का वित्तीय लेखा–जोखा पर कोई असर नहीं पड़ा था और डेलॉयट के छोड़कर जाने के लिए बताया गया कारण संतोषजनक नहीं था। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशन इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने शेयर बाजार को भेजे 163 पन्नों की रिपोर्ट में डेलॉयट हास्किंस एंड सेल्स एलएलपी का इस्तीफा भेजा था। एपीएसईजेड ने कहा कि डेलॉयट के अधिकारियों ने बैठक में अडाणी समूह की अन्य सूचीबद्ध कंपनियों के लेखा परीक्षक (ऑडिटर) के रूप में व्यापक ऑडिट भूमिका की कमी पर चिंता व्यक्त की। हालांकि, फर्म ने ऑडिटर को बताया कि ऐसी नियुक्तियों की सिफारिश करना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है क्योंकि अन्य संस्थाएं पूरी तरह से स्वतंत्र हैं। पूर्व केंद्रीय गृह सचिव और एपीएसईजेड की लेखापरीक्षा समिति के चेयरमैन गोपाल कृष्ण पिल्लई ने कहा, (एपीएसईजेड की) लेखापरीक्षा समिति का विचार था कि वैधानिक लेखापरीक्षक के रूप में इस्तीफे के लिए डेलॉयट द्वारा दिए गए आधार इस तरह के कदम के लिए ठोस या पर्याप्त नहीं थे। उन्होंने कहा कि डेलॉयट लेखा परीक्षक के रूप में बने रहने को तैयार नहीं थी और इसलिए, ग्राहक–लेखा परीक्षक संविदात्मक संबंध को सौहार्दपूर्ण ढंग से समाप्त करने पर सहमति हुई। डेलॉयट ने 12 अगस्त के अपने पत्र में कहा था कि वह एपीएसईजेड के लेखा परीक्षक की भूमिका से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे रही है, क्योंकि क्योंकि हम अडाणी समूह की अन्य कंपनियों के वैधानिक लेखा परीक्षक नहीं हैं।

सैनिक का पार्थिव शरीर गांव में पहुंचते मचा कोहराम

दोहरीघाट, मऊ। जम्मू कश्मीर में सीमा पर तैनात सैनिक राजेंद्र कुमार का हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। सैनिक का पार्थिव शरीर गोठा गांव के गौतम नगर पुरे में पहुंचते क्षेत्र के लोगों में कोहराम मच गया। क्योंकि मृतक सैनिक राजेंद्र कुमार मिलनसार व्यक्ति थे। 3 अगस्त को जम्मू कश्मीर ड्यूटी पर गये थे। जवान ड्यूटी पर तैनात मृतक सैनिक का पार्थिव शरीर लेकर गोठा गांव उनके घर पहुंचते ही गांव वाले और क्षेत्र के लोगों ने अश्रु पूरित नेत्रों से सैनिक को श्रद्धांजलि दिया। मृतक सैनिक की पत्नी तारा देवी का रोते–रोते बुरा हाल हो गया। उनके पुत्र मनोज विनोद और विवेक का रोते–रोते बुरा हाल हो गया। वहीं क्षेत्र के लोग भारी संख्या में श्रद्धांजलि देने पहुंचे। हजारों कि संख्या में क्षेत्र के लोग शव यात्रा में शामिल हुए। सैनिक का उत्तर वाहिनी मां सरयू के पावन तट स्मशान घाट पर पर मृतक सैनिक बड़े पुत्र मनोज कुमार ने अपने पिता को मुखाग्नि दिया।

टाटा स्टील अभी किसी नए अधिग्रहण को उत्सुक नहीं है: कंपनी सीईओ

नयी दिल्ली। टाटा समूह की कंपनी टाटा स्टील अभी किसी अन्य नए अधिग्रहण के लिए उत्सुक नहीं है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टी वी नरेंद्रन ने ऐसे समय में यह बयान दिया है जब वेदांता लिमिटेड अपने इस्पात तथा इस्पात बनाने वाले कच्चे माल के कारोबार की समीक्षा व मूल्यांकन कर रही है। वेदांता लिमिटेड ने जून में कहा था कि वह तुरंत समीक्षा शुरू करेगा और अपने कुछ या सभी इस्पात व्यवसायों की संभावित रणनीतिक बिक्री सहित विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला का मूल्यांकन करेगी। नरेंद्रन ने वेदांता लिमिटेड के इस्पात व्यवसाय को खरीदने में उनकी कंपनी की रुचि पर पूछे सवाल पर कहा, ''हम किसी अन्य नए अधिग्रहण के लिए उत्सुक नहीं हैं... हमें इसकी जरूरत नहीं है।'' उन्होंने कहा कि टाटा स्टील की मौजूदा साइट पर अभी करने को बहुत कुछ है। उन्होंने टाटा स्टील के ब्रिटेन स्थित परिचालन के बारे में कहा, हम ब्रिटेन सरकार के साथ समाधान के लिए बातचीत कर रहे हैं। हम सरकार (वहां की) के साथ आम सहमति बनाना चाहेंगे। नरेंद्रन ने कहा कि फिलहाल ब्रिटेन में समस्या नहीं है, और उत्पादन प्रभावित नहीं हुआ है। लेकिन बात यह है कि संपत्तियां पुरानी हैं और वो बहुत भरोसेमंद नहीं रह गई हैं।

मनरेगा में हुआ 33.24 लाख का गड़बड़झाला, तीन साल में नहीं वसूल पाए रकम

देवरिया। मनरेगा में गड़बड़ी के मामले पकड़े तो जाते हैं, लेकिन जिम्मेदारों पर कार्रवाई कागजों तक सिमट जाती है। इसकी बानगी वित्तीय वर्ष 2019–20 से अबतक हुई सोशल ऑडिट की रिपोर्ट बयां कर रही है। तीन साल में जिले की 71 ग्राम पंचायतों में 33.24 लाख रुपये वित्तीय अनियमितता के मामले आए हैं। इसमें अबतक महज 4.40 लाख की वसूली हो पाई है। योजना की धनराशि का सबसे अधिक गड़बड़झाला लार ब्लॉक में किया गया है। यहां 7.92 लाख की धनराशि वित्तीय अनियमितता की भेंट चढ़ी है। इसी प्रकार बैतालपुर ब्लॉक में 4.38 लाख, बनकटा में 4.14 लाख, बरहज में 16 हजार, भागलपुर में 2.63 लाख, भलुअनी में 1.32 लाख, भटनी में 74 हजार, भटनी में 3.19 लाख, भाटपाररानी में 3.19 लाख, देवरिया सदर में 2.33 लाख, देसही देवरिया में 25 हजार, गौरीबाजार में 31 हजार, पथरदेवा में 1.58 लाख, रामपुर कारखाना में 97 हजार, रुद्रपुर में 85 हजार, 1.86 लाख व तरकुलवा ब्लाक में 52 हजार की वित्तीय अनियमिता पकड़ी जा चुकी है।

महिलाओं की आपसी कलह बनी मंटू की हत्या का कारण

भाटपाररानी। खामपार थाना क्षेत्र के ग्राम केहुनियां में लाठी, डंडे से पीटकर मंटू की हत्या का कारण दोनों परिवारों की महिलाओं के बीच आपसी कलह है। दोनों परिवार एक ही मकान में अलग–अलग रहते हैं। रामाजी गुप्ता और नंदजी गुप्ता सगे भाई हैं। रामाजी गुप्ता के दो पुत्रों में मंटू छोटा था। वह कक्षा 12 का छात्र था। गांव के लोगों ने बताया कि दोनों परिवार की महिलाएं अक्सर छोटी–छोटी बातों को लेकर आपस में हमेशा लड़ती हैं। मंटू की हत्या का कारण भी दोनों परिवारों की महिलाओं के बीच का कलह बना। परिवार में न तो कोई जमीनी विवाद और न ही आपसी बंटवारे का कोई विवाद है। घटना के दिन एक भाई की पत्नी ने दूसरे भाई की साइकिल को बरामदे के अपने हिस्से में रखने का विरोध किया। यह बात साइकिल रखने वाले रामाजी गुप्ता के लड़कों को नागवार लगी। पहले महिलाओं में विवाद हुआ और बाद में दोनों पक्षों में मारपीट हो गई, जिसमें रामाजी, उनकी पत्नी पार्वती देवी और बच्चे मंटू, गुड्डू घायल हो गए।

मारपीट के बाद महिला के आभूषण लूटे, केस दर्ज

सलेमपुर। भटनी थाना क्षेत्र के खुटहा गांव में शराब पीने को लेकर दो भाइयों के बीच मारपीट हो गई। इसमें आरोपियों ने घर में घुसकर मारपीट की और जाते समय महिला के आभूषण लूट लिए। शिकायत पर पुलिस ने चार आरोपियों पर लूट, मारपीट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। भटनी के खुटहा गांव निवासी हरिंद्र यादव और धर्मेंद्र भाई हैं। दोनों अपने परिवार के साथ गांव में अलग रहते हैं। आरोप है कि मंगलवार को हरिंद्र शराब के नशे में घर पहुंचा और छोटे भाई के घर में घुसकर उसकी पत्नी को गाली देने लगा। विरोध करने पर दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया। तभी आरोपी की पत्नी और बच्चों ने पीड़िता की पिटाई कर दी। आरोपियों ने जाते समय महिला का मंगल सूत्र व अन्य आभूषण लूट लिया। एसओ डॉ. महेंद्र कुमार ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

विशेष लोक अदालत में आठ वादों का हुआ निस्तारण

महराजगंज। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से न्यायालय परिसर में एनआईएक्ट के अधिक वादों के निस्तारण का निस्तारण करने के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन हुआ। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सात, न्यायिक मजिस्ट्रेट ने एक वादों का सुलह समझौता के आधार पर निस्तारण किया। विशेष लोक अदालत में कुल आठ वादों का निस्तारण सुलह–समझौते के आधार पर हुआ। कुल समझौता धनराशि 16,04,653 रुपये पीड़ितों को दिलवाई गई। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कमलेश्वर पांडेय ने दी।

महिला ने युवक पर लगाया छींटाकशी करने का आरोप

महराजगंज। नौतनवां थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर गांव के ही दो युवकों पर गंदी बातें और छींटाकशी करने आरोप लगाया है। महिला ने बताया कि उसके पति मुंबई में रहकर मजदूरी करते हैं। गांव के ही दो युवक गंदी बातें करते हैं। उसके पति मुंबई से घर आए और आरोपी युवक के घर उलाहना दिए तो युवकों के माफी मांगने के बाद मामला शांत हो गया। उसके कुछ दिन बाद दुबारा आते जाते समय युवक छींटाकशी करने लगे। बुधवार को जब उलाहना देने गई तो वह लोग जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार राय ने बताया तहरीर मिली है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

गोरखा समुदाय को पिछड़ी जाति में समायोजित करने की मांग

महराजगंज। भूतपूर्व सैनिक गोरखा समाज के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार राना ने उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक को मांगपत्र देकर गोरखा समुदाय को पिछड़ी जाति में शामिल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि गोरखा समुदाय के लोग कई वर्षों से पिछड़ी जाति में शामिल होने के लिए संघर्षरत हैं, जबकि अन्य 12 प्रदेशों में गोरखा समुदाय को पिछड़ी जाति की मान्यता मिल चुकी है। उत्तर प्रदेश से अलग होकर बने उत्तराखंड राज्य में भी यह सुविधा गोरखा समुदाय के लोगों को मिल चुका है, लेकिन उत्तर प्रदेश में गोरखा समुदाय के लोग इस लाभ से वंचित है।

समाधान दिवस में 58 मामलों में से 12 निस्तारित

महराजगंज। जिले में थाना समाधान दिवस में 58 मामलों में से 12 समस्याओं को मौके पर निस्तारित कर दिया गया। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार व पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने सदर कोतवाली में समस्याओं को सुना। इसके अलावा क्षेत्राधिकारियों ने सर्किल के थानों एवं थाना प्रभारियों ने अपने–अपने थानों पर समस्याओं को सुना। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जमीन संबंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमें संयुक्त रूप से निस्तारण करें। आईजीआरएस या अन्य सभी माध्यमों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों को थाना समाधान दिवस रजिस्टर में अंकित करने का निर्देश दिया। अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह ने थाना घुघली में समस्याओं को सुना।

भागलपुर में 72 घंटे से लगातार बढ़ रहा है सरयू नदी का जलस्तर

देवरिया । नेपाल द्वारा बैराज से सात क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण सरयू नदी के जलस्तर में लगातार चौथे दिन भी बढ़त जारी रही। नदी के इस अप्रत्याशित परिवर्तन से तटवर्ती ग्रामीणों के होश उड़ गए हैं। रात नदी में स्थिरता आ गई थी, लेकिन सुबह से एक सेमी प्रति घंटे की बढ़ोतरी होने लगी और नदी दोपहर खतरे के निशान से 68 सेमी ऊपर पहुंच गई। सरयू नदी में महीनों से उतार–चढ़ाव जारी था। तटवर्ती लोगों ने मान लिया था कि बाढ़ नहीं आएगी लेकिन पहाड़ों और मैदानी इलाकों में रुक–रुककर हुई बारिश की वजह और नेपाल द्वारा पानी छोड़े जाने के कारण नदी में तेजी से बढ़ोतरी होने लगी। अब नदी का पानी रिहाइशी इलाकों की ओर घुसने लगा है। जिससे तटवर्ती इलाकों के लोगों को अपनी फसल बचाने की चिंता सताने लगी है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार तुर्तीपार रेगुलेटर पर नदी का जलस्तर दोपहर दो बजे 64 मीटर 98 सेमी पर पहुंच गया। जो खतरे के निशान 64मीटर 30सेमी से 68सेमी ऊपर है। अगले 24 घंटे नदी में बढ़ोतरी जारी रहेगी। क्योंकि आगे एल्गिन ब्रिज बाराबंकी में सरयू नदी में बढ़ोतरी हो रही है। तहसीलदार बरहज अश्वनीकुमार ने बताया कि बाढ़ क्षेत्र के लिए प्रशासन तैयारी में जुटा है। बाढ़ राहत चौकियों को अलर्ट कर दिया गया है। तहसील कर्मचारियों को बाढ़ राहत चौकियों पर मौजूद रहने को कहा गया है।

बाढ़ के पानी से घिरे परसियां–विशुनपुर देवार के मजरे, भदिला प्रथम बना टापू

बरहज। सरयू नदी में सैलाब उमड़ आया है। जिससे चारों ओर पानी ही पानी हो गया है। बाढ़ के पानी से परसियां–विशुनपुर देवार के आधा दर्जन टोले पानी से घिर गए हैं। जबकि भदिला प्रथम गांव टापू बना हुआ है। बाढ़ का पानी रामजानकी मार्ग और रुद्रपुर रोड तक पहुंच गया है। जलस्तर में निरंतर हो रही बढोतरी से तटवर्ती गांव के लोगों की चिंता बढ़ गई है। पिछले करीब एक सप्ताह से सरयू के जलस्तर में निरंतर बढ़त दर्ज किया जा रहा है। नदी 66.15 मीटर से 67.47 मीटर पर बह रही है। नदी के खतरे के निशान 66.50 से 97 सेमी ऊपर बहने से बाढ़ का पानी थाना घाट, आरती, बरहना सहित 12 घाटों पर बने पक्के सीढिघ्यों तक पहुंच गया है। वहीं जहाज घाट पर नाला के रास्ते पानी मोहल्ले में जाने वाली सड़क तक पहुंच गया है। सरयू नौकाटोला–बेलडॉड स्थित रामजानकी मार्ग, जबकि राप्ती में उफान आने से नदी बिनोवापुरी गांव के निकट कपरवार–रुद्रपुर मार्ग तक पहुंच गई है। गोरखपुर जनपद का कोलखास, ज्ञानी कोल आदि गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। नदियों में आई बाढ़ के कारण 100 एकड़ से अधिक तटवर्ती खेत जलमग्न हो गए हैं। कटइलवा के जवाहिर यादव, मुखलाल, छांगुर, हरी मद्धेशिया आदि का कहना है कि जलस्तर में निरंतर वृद्धि हो रही है। इससे नदी पूर्व में आए बाढ़ की विभीषिका दोहराने पर मचल रही है। हालांकि कटइलवा से कपरवार संगम तट दौलाबंद बनने से कुछ हद तक राहत मिली है।

विकसित होगी नया देवरिया टाउनशिप... बनेगा विकास प्राधिकरण

देवरिया। देवरिया विकास प्राधिकरण और नया देवरिया टाउनशिप का रास्ता साफ हो गया है। बीते 10 वर्षों में देवरिया नगर पालिका क्षेत्र में कई इलाके शामिल किए गए हैं। इसके बाद विकास प्राधिकरण के सभी मानक पूरे हो गए हैं। इसके साथ ही शहर के उत्तर–पूर्वी छोर पर बाईपास मार्ग के किनारे नया देवरिया टाउनशिप बसाने की भी योजना है। इसका खाका तैयार किया जा रहा है। यह क्षेत्र प्राधिकरण के अधीन होगा। इन दोनों योजनाओं का प्रस्ताव शासन को भेजने की तैयारी जिला प्रशासन ने कर ली है। देवरिया को विकास प्राधिकरण बनाने के लिए 2019 में तत्कालीन जिलाधिकारी अमित किशोर ने प्रयास किया था। इसके लिए प्रस्ताव भी भेजा गया था, लेकिन जनसंख्या के हिसाब से निर्धारित भारांक 60 की जगह 57 ही मिल सका था। इस कारण विकास प्राधिकरण की राह में रोड़ा अटक गया था। पर अब नगर पालिका देवरिया की सीमा विस्तार होने के बाद यह मानक पूरा हो गया है। इसको देखते हुए जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने विकास प्राधिकरण के लिए फिर से नगर विकास मंत्रालय को प्रस्ताव भेजने की योजना बनाई है। 2012 की जनसंख्या के आधार पर शहर की आबादी 1.29 लाख थी। जबकि प्राधिकरण बनने के लिए शहर की जनसंख्या 1.50 लाख होनी चाहिए। करीब 11 साल का समय गुजरने के बाद नगर पालिका क्षेत्र में 23 गांवों को शामिल किया जा चुका है। इससे नगर की जनसंख्या करीब ढाई लाख के पार हो गई है। वहीं, शहर हाईवे मार्ग से जुड़ चुका है और बाईपास भी बन रहा है। इससे निर्धारित भारांक (अंक) 60 की जगह 62 तक पहुंच गया है। इससे विकास प्राधिकरण के मानक को शहर पूरा कर रहा है।

तेज आंधी से गिरे बिजली के पोल, विद्युत आपूर्ति बाधित

महराजगंज। जिले में तेज हवाओं के साथ खूब झमाझम बारिश हुई। तेज गति से चली आंधी तूफान से जहां कई पेड़ जमींदोज हो गए, वहीं दर्जनों विद्युत पोल भी टूटकर गिर गए। एक साथ दर्जनों विद्युत पोल गिरने से दर्जनों गांव की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई है। दर्जनों गांव के 50 हजार आबादी प्रभावित हो गई है। बिजली विभाग के कर्मचारी गिरे हुए विद्युत पोल को ठीक कराने में जुट गए हैं। दोपहर बाद जिले में तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश हुई। तेज आंधी तूफान से बागापार–झनझनपुर मार्ग पर स्थित मातारानी रूमाली देवी महिला पीजी कॉलेज के सामने महीनों से क्षतिग्रस्त पड़ा विद्युत पोल टूटकर गिर गया। झुंगवा–परासखांड गांव के बीच दर्जनों पोल गिर गए। चौक फीडर के केवलापुर खुर्द, नाथनगर, परासखांड, बेलभरिया, बड़हरा राजा, बागापार, बरगदवा राजा, बेलवाकाजी आदि गांव की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई है। चौक फीडर के अवर अभियंता आलोक कुमार ने बताया कि आंधी से टूटे हुए विद्युत पोल को ठीक करने के लिए कर्मचारी जुट गए हैं। लोगों को समय से बिजली उपलब्ध करा दी जाएगी।

इन गांवों में बाधित हुई बिजली, उपभोक्ता परेशानः तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से सदर क्षेत्र के झुंगवा – परासखांड गांव के बीच दर्जनों पोल टूटकर गिर गए। विद्युत पोल टूटने से चौक फीडर के केवलापुर खुर्द, नाथनगर, परासखांड, बेलभरिया, बड़हरा राजा, बागापार, बरगदवा राजा, बेलवाकाजी, शेखपुरवा, झुंगवा, नवडीहवा, कम्हरिया कला, विजय नगर, बरवाराजा, बरईपट्टी, चौनपुर, कटहरा, सलामतगढ़, जगपुर, विजयपुर, नदुआ, बसंतपुर राजा, परसा राजा आदि ग्राम सभाओं के कई दर्जन गांव में विद्युत आपूर्ति बाधित रही।

किशोरी का धर्म परिवर्तन कर निकाह कराने की योजना फेल

महराजगंज। एक समुदाय की किशोरी को बहला फुसलाकर कर धर्म परिवर्तन कराने की तैयारी को पुलिस ने विफल कर दी। भीमपुरा थाने की पुलिस ने एक परिवार के कब्जे से किशोरी को मुक्त कराया और आरोपी को पुलिस हिरासत में लेकर जांच–पड़ताल में जुट गई। पनियरा पुलिस के अनुसार, बलिया जिले के भीमपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव का युवक और महाराजगंज जिले के पनियरा थाना क्षेत्र के एक गांव की किशोरी की मोबाइल के जरिए बात शुरू हुई और इसी का फायदा उठाकर एक समुदाय युवक किशोरी को अपने झांसे में लेकर उससे शादी करने के लिए प्रेरित किया। चार अगस्त को युवक किशोरी को उसके घर से अपने गांव ले गया और घर में ही रखे रहा। सात अगस्त को युवक किशोरी को अपने धर्म के अनुसार निकाह करा रहा था। इसकी भनक लगी तो लोगों ने सूचना भीमपुरा पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। इसकी सूचना किशोरी के परिजनों और पनियरा पुलिस को दी गई। पनियरा पुलिस भीमपुरा थाने पहुंची, जहां से दोनों को हिरासत में लेकर पनियरा थाने लेकर आई। पनियरा थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह का कहना है कि किशोरी इंटर की छात्रा है। उसे झांसा देकर निकाह कराया जा रहा था। सूचना मिलने पर रोक दिया गया। इस मामले में पहले ही अपहरण का केस दर्ज था। आरोपी युवक को जेल भेज दिया गया।

कृषि वैज्ञानिक डॉ0 गणेश सिंह चौहान ने जन्मोत्सव पर किया पौधरोपण

कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु चलाये जा रहे पौधरोपण संग जन्मोत्सव अभियान के क्रम मेंरविवार को जनपद के हाटा विकास खंड के ग्राम पंचायत चिउचहा निवासी वर्तमान में चंडीगढ़ में कृषि वैज्ञानिक के रूप में तैनात प्रकृति प्रेमी डॉ0 गणेश सिंह चौहान ने अपने जन्मोत्सव पर आम का पौध रोपण किया। सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने बताया कि डॉ0 चौहान संस्था की गतिविधियों को सोशल मीडिया से देखते रहते हैं और समय समय पर मार्गदर्शन व उत्साहवर्धन करते रहते हैं। उन्होंने कुशीनगर को हरा भरा रखने के लिए पौधरोपण हेतु आर्थिक सहयोग किया था। इसलिए संस्था द्वारा उनके जन्मोत्सव पर उपहार स्वरूप कुशीनगर की माटी को हरा भरा रखने हेतु पौधरोपण किया गया।

नगर पंचायत सेवरही उपनगर की टूटी सड़कों में भारी जल जमाव से आवागमन प्रभावित

कुशीनगर। जनपद के सेवरही (तमकुहीरोड) कस्बे में नगर पंचायत प्रशासन के उदासीनता के चलते विभिन्न सड़कें गड्ढो में तब्दील हो चुकी है। लोकमान्य इंटर कॉलेज, रेलवे ढाला, माल गोदाम, ब्रम्हस्थान सहित अन्य सड़के प्रमुख हैं। इन सड़कों से रोज हजारों लोगों का आना जाना लगा रहता है। इन सड़कों में बने गड्ढों में बरसात का पानी भरा हुआ है। बताते चलें कि नगर पंचायत सेवरही के लोकमान्य इंटरमीडिएट कॉलेज, रेलवे ढाला से लेकर माल गोदाम ब्रह्म स्थान तक सड़क पर बरसात में पानी का जल जमाव इस बात का घोत्तक है कि यह सड़क पहले से ही गड्ढों में तब्दील हो चुकी थी। जिसके तरफ नगर पंचायत के जिम्मेदार लोगों का ध्यान नहीं होने के कारण बरसात में सड़क पर पानी भरा हुआ है। आमजन को आने जाने में विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।

नगर पंचायत द्वारा जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं कराने के कारण इस सड़क से आने जाने वाले विद्यार्थी आम नागरिक परेशानियाँ झेल रहे है। दो पहिया वाहन लेकर आने जाने वाले लोग गड्ढे में गिर रहे है। इस गंभीर समस्या पर नगर पंचायत निवासी समाजसेवी व पूर्व प्रत्याशी नगर पंचायत अध्यक्ष अनूप सोनी ने सवाल उठाते हुए गंभीर आरोप नवनिर्वाचित अध्यक्ष पर लगाते हुए जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने जगह–जगह गड्ढे में तब्दील सड़क की मरम्मत नहीं कराने तथा आवागमन पर विद्यार्थियों की सुविधा को अनादर करते हुए शहीद स्मारक स्थल पर झंडारोहण के समय भी तिरंगा फहराने में जाने के लिए कठिनाइयों का सामना करने का आरोप लगाते हुए अभिलंब जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने की मांग की है तथा नगर की सफाई के तरफ ध्यान आकर्षित करते हुए गलियों मोहल्लों में फैली गंदगी तथा कूड़ा सफाई की तरफ ध्यान आकर्षित किया।

विद्यालयों में बिजली व्यवस्था बदहाल, जिम्मेदार बेफिक्र

महराजगंज। जिले के परिषदीय व माध्यमिक विद्यालयों के अंदर भी बिजली व्यवस्था की स्थिति भी बदहाल है। एक तरफ जहां विद्यालयों में आधी–अधूरी वायरिंग करके छोड़ दी गई है। वहीं, दूसरी ओर बिजली के बॉक्स को भी जैसे–तैसे खुला छोड़ दिया गया है, जो कि कभी खतरे का सबब बन सकता है। समस्या के निदान पर न तो विद्यालय प्रबंधन का ध्यान है और न ही उच्च अधिकारियों का। जिले में कुल 1695 परिषदीय विद्याल व लगभग 260 माध्यमिक विद्यालय संचालित होते हैं। शिक्षा के सुधार के दृष्टिगत शासन की ओर से धनराशि प्रदान की जा रही है। सीमा के तहत मिलने वाली धनराशि से प्रधानाध्यापक व प्रधानाचार्य की ओर से आवश्यक कार्यों पर धनराशि खर्च कर दी जा रही है। ऐसे में छोटे–मोटे कार्यों को कराए जाने में उन्हें समस्या आ रही है। बरसात के इस मौसम में खुले तारों व बिजली के बाक्स की वजह से हमेशा दुर्घटना का डर बना रहता है। विभिन्न विद्यालयों की पड़ताल में स्कूलों की स्थिति कुछ इस प्रकार मिली।

मापांकन शिविर में उपकरण के लिए चिह्नित किए गए 110 बच्चे

महराजगंज। समेकित शिक्षा के तहत दिव्यांग बच्चों में उपकरण वितरण के लिए लक्ष्मीपुर ब्लॉक संसाधन केंद्र पर पंजीकरण शिविर लगाया गया। एल्मिको कानपुर के सहयोग से लगे मापांकन शिविर में कुल 114 बच्चों ने पंजीकरण कराया, जिसमें से 110 बच्चों को चिह्नित करते हुए उनका नाम उपकरण के लिए भेजा गया। इन बच्चों को 27 अक्तूबर को लक्ष्मीपुर बीआरसी पर ही उपकरण वितरित किया जाएगा। शिविर में एल्मिको के प्रतिनिधि के रूप में आए अमित कुमार, ऑडियोलॉजिस्ट ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू, पवन कुमार एवं शोभित कुमार ने शिविर में आए बच्चों को विद्यालय तक सुगमता पूर्वक पहुंचाने एव दैनिक क्रिया कलापों के लिए ट्राई साइकिल, व्हील चेयर,बैसाखी, कैलिपर्स, ब्रेल उपकरण, श्रवण यंत्र आदि सामग्रियों को दिए जाने के लिए उनकी जांच की। जिसमें नौतनवां, फरेंदा, बृजमनगंज, धानी व लक्ष्मीपुर के 110 बच्चों को उपकरण के लिए पात्र मानते हुए सूचीबद्ध किया गया। जिला समन्वयक कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि अधिक से अधिक दिव्यांग बच्चों को उपकरण दिलाया जाना है। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी सुदामा, स्पेशल एजुकेटर गिरिजेश कुमार शर्मा,रमाकांत मिश्र, दिवाकर पांडेय,सुनील शुक्ला, सतेंद्र शर्मा समेत अन्य विद्यालयों के शिक्षक भी मौजूद रहे।

अपहृत तीन वर्षीय बालक को दिल्ली से बरामद कर लाई पुलिस

महराजगंज। सेमरहना गांव से अपहृत तीन वर्षीय बालक को पुलिस ने दिल्ली से बरामद कर लिया है। पुलिस ने बालक को शाम परिजनों को सुपुर्द कर दिया। सेमरहना निवासी अंतिमा तिवारी का विवाह परसामलिक क्षेत्र के ग्राम सभा सेखुआनी टोला नवडीहवा गांव में हुआ है। बीते तीन अगस्त को वह मायका आई थी। इसी दौरान उसकी ननद सुनीता वहां पहुंची। पांच अगस्त को वह तीन वर्षीय भतीजे तेजस को बिना परिजनों को बताए दिल्ली लेकर चली गई। परिजन उससे लगातार मोबाइल पर बच्चे को वापस घर लाने की विनती कर रहे थे। बच्चा वापस नहीं लाने पर परिजनों ने बीते आठ अगस्त को पुलिस को तहरीर देकर घटना से अवगत कराया। पुलिस ने आरोपित ननद के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर पुलिस टीम को परिजनों के साथ दिल्ली गई। पुलिस ने आरोपित महिला को दिल्ली स्थित उसके घर से गिरफ्तार कर बालक को अपने साथ लेकर बरगदवा पहुंची । थानाध्यक्ष बरगदवा दिनेश कुमार ने बताया कि आरोपित महिला जेल भेज कर अपहृत बालक को उसकी मां अंतिमा देवी को सौंप दिया गया।

गैस सिलेंडर फटने से लगी आग में दो झोपड़ियां जलीं

कुशीनगर। जनपद के पटहेरवा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पगरा पड़री के टोला बसंतपुर में शनिवार की रात सिलेंडर से गैस रिसने के कारण आग लग गई। थोड़ी देर बाद सिलेंडर भी फट गया। लेकिन घटना के समय हो रही बारिश से आग दूसरे घरों में फैल नहीं पाई और एक ही व्यक्ति की दो रिहायशी झोपड़ियां जलकर राख हो गई। उक्त गांव निवासी 17 वर्षीय विशाल पुत्र डोमा भुजा का ठेला लगाता है और अपनी विधवा मां कमलावती देवी के साथ रहता है। एक झोपड़ी में उसकी मां व दूसरी झोपडी में वह स्वयं सोता है। शनिवार की देर शाम वह बाजार से लौटा तो उसकी मां खाना बनाने की तैयारी करने लगी। विशाल टहलने निकल गया। उसकी मां ने ज्योंहि गैस चूल्हा जलाया कि गैस के रिसाव के वजह से पाइप में आग लग गई। आग चारों ओर फैल गई। विशाल ने दौड़कर अपनी मां को घर से बाहर निकाला इस दौरान आग की चपेट में आया सिलेंडर फट गया। आग की तेज लपटों ने दोनों रिहायशी झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। हांलांकि उस समय बरसात होने के कारण व ग्रामीणों के अथक प्रयास से आग पर काबू पा लिया गया। लेकिन इसके पूर्व गृहस्थी का सारा सामान, अनाज, नगदी व आभूषण जलकर राख हो गए। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अशोक गोंड ने अग्निपीड़ित परिवार को अहेतुक सहायता राशि प्रदान की। हल्का लेखपाल प्रियंका तिवारी ने बताया कि क्षति का आंकलन कर रिपोर्ट तहसील प्रशासन को भेज दी गई है।

देश का वंचित समाज मोदी और योगी की सरकार में कर रहा विश्वास– दारा सिंह चौहान

– भाजपा में शामिल होने के बाद पहली बार जनपद पहुंचे पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे दारा सिंह चौहान

मऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे दारा सिंह चौहान का भाजपा में सम्मिलित होने के बाद जनपद कार्यालय पर प्रथम आगमन हुआ। पूर्व मंत्री ने प्रेसवार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश की सरकार के सुसासन के बाल पर आम जनमानस में काफी सकारात्मक संदेश जा रहा है। आज पूरे देश का वंचित समाज का भरोसा मोदी और योगी जी के सरकार में विश्वास व्यक्त कर रहा है यह भाजपा सरकार का इकबाल बुलंद करता है। आज पिछड़े और वंचितों की भागीदारी और सम्मान भाजपा सरकार में ही सुरक्षित है। भाजपा सरकार की योजनाओं में कोई भेद नहीं होता है, हर नागरिक हमारा है और हम उसके हैं। आज देश में पिछड़ों और वंचितों का सम्मान भाजपा ने बढ़ाने का कार्य किया है। पूर्व मंत्री ने विभाजन विभीषिका की याद में कहा की 14 अगस्त को भाजपा द्वारा कई कार्यक्रम होना प्रस्तावित है। विभाजन विभीषिका पर पूर्व मंत्री ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा की 14 अगस्त को भाजपा कार्यकर्ता जनपद कार्यालय से ब्रह्मस्थान स्थित मद्धेशिया धर्मशाला तक मौन जुलूस निकालेंगे तथा विभीषिका से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन करने के साथ ही संगोष्ठी में हिस्सा लेंगे। देश के बंटवारे के दर्द को कभी बुलाया नहीं जा सकता है। 14 अगस्त भारतीय इतिहास का काला दिवस था भारत के इतिहास में यह एक ऐसा दुर्भाग्यशाली दिन था जिस दिन भारत के भूगोल समाज संस्ति सभी का बंटवारा हो गया। जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस द्वारा विभाजन स्वीकार करना एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है भारत विभाजन के परिणाम स्वरूप लाखों लोग मारे गए डेढ़ करोड़ से अधिक लोग बेघर हुए एक लाख से अधिक महिलाओं के साथ अनाचार हुआ। नेहरू ने मात्र प्रधानमंत्री की कुर्सी पाने के लिए न केवल देश के टुकड़े करवाए बल्कि लाखों लोगों के खून से भारत भूमि को नहला दिया घृणा का जो बीज उस समय बोया गया उन्हें पूर्णतया नष्ट करने के लिए आने वाली कई पीढियां को मिलकर प्रयास करना होगा। यदि नेहरू राष्ट्रवादी थे और उनका विश्वास धर्मनिरपेक्षता में था तो अचानक धर्म के नाम पर होने वाले विभाजन को स्वीकार करने के लिए वह सहमत कैसे हो गए। अंग्रेजों के उत्तराधिकारी होने के कारण कांग्रेसी ये गलतफहमी पाले हुए थे कि जब अंग्रेज विदेशी होते हुए भी दो समूह को एक दूसरे से लड़ा कर 200 साल तक राज कर सकते हैं तो हम स्वदेशी होते हुए 2000 साल तक राज क्यों नहीं कर सकते। आज जो कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता का ढोंग करती है उसी कांग्रेस ने कई सांप्रदायिक कानूनों को पारित करवाने में अंग्रेजों की भरपूर सहायता की। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार गुप्ता ने कहा की कांग्रेस द्वारा निरंतर मुस्लिम लीग को तुष्ट करने की अपनाई गई नीति को डॉक्टर अंबेडकर ने कभी पसंद नहीं किया। डॉक्टर अंबेडकर ने अपनी पुस्तक थॉट्स ऑन पाकिस्तान में नेहरू और तत्कालीन कांग्रेस के रवैए की कठोर आलोचना की है। जिला संयोजक देवेंद्र सिंह ने कहा कि नफरत और हिंसा की वजह से हमारे लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा।

देश के विभाजन का घाव व अपनों को खोने के दुःख को शब्दों में वर्णित नहीं किया जा सकता. मुझे विश्वास है कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस समाज से भेदभाव व द्वेष की दुर्भावना को खत्म कर शांति, प्रेम व एकता को बल देगा। इस अवसर पर जिले के संयोजक देवेंद्र सिंह, आनंद प्रताप सिंह, राकेश मिश्र, रामाश्रय मौर्य, संतोष सिंह, नूपुर अग्रवाल, .ष्ण कांत राय, सचिंद्र सिंह, अंजनी सिंह, रामप्रवेश राजभर, पुनीत यादव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परदेश गये युवक की सर्प दंश से मौत

ऊंचाहार,रायबरेली।रोजी रोटी के लिए परदेश गये युवक की सांप काटने से दर्दनाक मौत हो गई, शव घर पहुंचने पर परिजनों में कोहराम मच गया, जिसके बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। क्षेत्र के कल्यानपुर मजरे डेलौली गाँव निवासी दुखीराम सरोज का बेटा शिवम कुमार शनिवार को रोजी रोटी की तलाश में मुंबई शहर गया हुआ था, गुरुवार की रात सोते समय कमरे में उसे सांप ने काट लिया, जिससे उसकी मौत हो गई, शुक्रवार को स्थानीय पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे घर भेज दिया गया, शनिवार की देर शाम शव घर पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया, मृतक की माँ सुनीता व पिता दुखीराम का बेटे की मौत से रोरोकर बुराहाल है, मृतक शिवम कुमार तीन भाइयों व एक बहन में सबसे बड़ा था,रविवार को परिजनों ने गोकना घाट पर शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। ये जानकारी ग्राम प्रधान विजय विश्वकर्मा द्वारा दी गई है।

प्रेम प्रसंग में युवक पर चाकू से हमला , हालत नाजुक

ऊंचाहार,रायबरेली।प्रेमिका से बात करने को लेकर युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है । युवक को जिला अस्पताल रेफर किया गया है । पुलिस ने घायल के परिजनों की तहरीर पर प्रेमिका के परिजनों पर जानलेवा हमला की प्राथमिकी दर्ज की गई है । मामला कोतवाली क्षेत्र के गांव गोपापुर मजरे भागीपुर गाँव का है गांव के युवक संजय कुमार का गांव की एक युवती से लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था । इस बात की जानकारी युवती की बड़ी बहन को थी । जिसका वह अक्सर विरोध करती थी । बताया जाता है कि रविवार की सुबह युवक और युवती बात कर रहे थे , जिसे युवती की बड़ी बहन ने देख लिया । जिसको लेकर दोनों पक्षों में विवाद होने लगा । इस बीच युवती के परिजन एकत्र हो गए । आरोप है कि युवती के परिजनों ने युवक पर चाकू से हमला कर दिया । जिससे वह रक्तरंजित होकर जमीन पर गिर पड़ा । उसके बाद हमला करने वाले भाग गए। युवक को घायल अवस्था में लेकर परिजन सीएचसी पहुंचे , जहां प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर दशा को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया । कोतवाल आदर्श कुमार सिंह ने बताया कि घायल के परिजनों की तहरीर पर युवती की बहन , भाई आदि पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

तिरंगा लहराते हुए निकले भविष्य के कर्णधार

लालगंज,रायबरेली। बैसवारा इंटर कॉलेज लालगंज में प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह की अगुवाई में छात्र छात्राओं के द्वारा राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत तिरंगा रैली निकाली गई।नगर के बैसवारा इंटर कॉलेज में सरकार द्वारा चलाए जा रहे मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रमों की श्रंखला में आज एक विशाल तिरंगा रैली का आयोजन किया गया जो विद्यालय से निकलकर नगर के विभिन्न मार्गो से होती हुई वापस विद्यालय परिसर में आकर समाप्त हुई ।इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा एक बाल काव्य गोष्ठी तथा भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें एनसीसी, एनएसएस तथा स्काउट के छात्रों ने भाग लिया । कार्यक्रम में खासतौर से राष्ट्र की सेवा में अपना बलिदान देने वाले सेनानियों व अमर शहीदों के बलिदान को याद किया गया गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य डॉ नरेंद्र सिंह ने कहा कि मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम से बच्चों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत होगी और उन्हें राष्ट्रीय कार्यक्रमों के साथ–साथ क्रांतिकारियों के बाबत भी जानकारी प्राप्त होगी।कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी वीरेंद्र कुमार शुक्ला ने कहा कि सभी भर्तियों में जाति धर्म संप्रदाय से ऊपर उठकर देश प्रेम की भावना होनी चाहिए ।तभी देश विश्व में आगे बढ़ सकता है। छात्र आशीष त्रिवेदी ने बीरवर बीरा पासी की गाथा सुनाई ।विधि सिंह, राम धीरज सिंह ने काव्य पाठ किया। प्रधानाचार्य डॉक्टर नरेंद्र बहादुर सिंह ने सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया ।मेरी माटी मेरा देश के इस कार्यक्रम में सुनील कुमार तिवारी, जितेंद्र मौर्य, विनोद कुमार सिंह, पुनीत तिवारी ,सुनील ,अभिनव सिंह ,भवानी प्रसाद श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

साइबर स्वयंसेवक की गोष्ठी का हुआ आयोजन

मऊ। रविवार को पुलिस अधीक्षक अविनाश पाण्डेय के निर्देशानुसार पुलिस लाईन सम्मेलन कक्ष में क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद व साइबर सेल टीम की उपस्थिति में जनपद के साइबर स्वयंसेवक की गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई में राष्ट्रीय स्तर पर गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की स्थापना जिसका उद्देश्य समन्वित और व्यापक तरीके से साइबर अपराधों से निपटने व साइबर अपराधों की रोकथाम पता लगाने जांच और अभियोजन में शिक्षा, उद्योग, जनता और सरकार को एक साथ लाने के क्रम में साइबर स्वयंसेवक को तीन श्रेणियों में पंजीकरण करने जैसे साइबर स्वयंसेवक गैरकानूनी सामग्री लैगर, साइबर जागरूकता प्रवर्तक, साइबर एक्सपर्ट। जिनका उद्देश्य व कार्यो के बारे में अवगत कराते हुए ऐसी सामग्री निम्नलिखित व्यापक श्रेणियों के अंतर्गत आ सकती है– भारत की संप्रभुता और अखंडता के खिलाफ, भारत की रक्षा के विरुद्ध, राज्य की सुरक्षा के विरुद्ध, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों के विरुद्ध, सार्वजनिक व्यवस्था में खलल डालने वाली सामग्री, साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ना, बाल यौन शोषण सामग्री आदि पोर्टल पर दी गयी जानकारियों से अवगत कराते हुए साइबर स्वयंसेवक की तीनो श्रेणियों में पंजीकरण हेतु गोष्ठी में आये हुए प्रतिभगीयों को प्रोत्साहित किया गया।

घोसी की जनता चाह रही थी कि सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो जाऊं: दारा सिह चौहान

पार्टी कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। घोसी विधानसभा से समाजवादी पार्टी से विधायक रहे दारा सिंह चौहान ने अपनी सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद भाजपा का दामन थाम लिया।

इसे लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह का माहौल रहा। रविवार को जनपद में प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं ने मुहम्मदाबाद गोहना कस्बा के कैलेंडर तिराहे पर ढोल नगाड़ा के साथ–सथ फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया कार्यकर्ताओं के बीच पाकर पूर्व मंत्री काफी प्रसन्न नजर आए उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव को फतह करने का जोश भरा। पूर्व मंत्री के आगमन के पूर्व भारी लग्जरी गाड़ियों का रेला लगा रहा। घण्टों तक जाम का माहौल देखने को मिला मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली के बनियापार गांव से लेकर वलीदपुर मोड तक रोड जाम की स्थिति बनी रही। इस बीच राहगीरों को आने–जाने में भारी दुश्वारियां भी झेलनी पड़ी। मीडिया से बातचीत में पूर्व मंत्री दारा सिंह ने कहा कि प्रदेश में योगी केंद्र में मोदी की सरकार है। इस लिए घोसी की जनता चाह रही थी कि भाजपा में शामिल होकर क्षेत्र का विकास करें।

इसलिए मैं सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो गया। मेरा अथक प्रयास रहेगा कि जनता की उम्मीदों पर खरा उतर सकूं। केंद्र एवं प्रदेश सरकार से जनता काफी प्रभावित है। प्रत्येक पात्र व्यक्ति के पास सरकार की जो भी कल्याणकारी योजनाएं हैं उन तक पहुंच रही है इससे आम जनता खुश होकर बीजेपी को ही सत्ता में देखना चाहती है। विकास के दम पर आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में पुनः केंद्र में भाजपा की सरकार बनेगी। इससे कोई रोक नहीं सकता है।

इस अवसर पर गोरखपुर परिक्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार गुप्ता मोहम्दाबाद गोहना ब्लॉक प्रमुख रानू सिंह समाजसेवी डॉ उमेश सरोज, प्रतिनिधि सुग्गी बाबा भाजपा मंडल अध्यक्ष ओंकार सिंह मुन्ना पूर्व सदस्य जिला पंचायत आशीष चौधरी समाजसेवी सूरज राय, सुरजीत राय, अबुल फैज़ खां, रामविजय सिंह समेत जनपद के दर्जनों जिला इकाई एवं विधानसभा के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

वृक्षों की मानव जीवन में अहम भूमिका–डॉ शशिकांत

रायबरेली।न्यू स्टैण्डर्ड ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूटस के संस्थापक डॉ शशिकान्त शर्मा ने रविवार को शहर के वार्ड नंबर 16, 25, 27, 10, 15 में पौधारोपण किया।प्रबन्धक डॉ शशिकांत ने कहा कि पीपल का पेड़–पीपल के पेड़ को बोधी ट्री के नाम से भी जाना जाता है। भगवान गौतम बुद्ध को पीपल के पेड़ के नीचे ही उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ था और उन्होंने बाद में बौद्ध धर्म की स्थापना की। ऋषि –मुनि,साधु –संत भी पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर साधना करते थे। बरगद का पेड़–बरगद के पेड़ को जीवन दाता भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि बरगद के पेड़ के पास काफी शक्तियां है और इसी के कारण शादीशुदा महिलाएं बरगद के पेड़ की पूजा संतान प्राप्ति के लिए करती हैं। अशोका पेड़ –अशोक पेड़ को लोक संतान की प्राप्ति के लिए मानतें हैं और कहा जाता है कि गौतम बुद्ध का जन्म अशोक पेड़ की नीचे हुआ था। वृक्षों का मानव जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस दौरान नाजीम, वाजिद अली, जगजीवन राम वाडले,मो0हुसैन,मोहित सिंह, गोलू सिंह, नगेश सिंह, धन श्याम सिंह, महेश पाल, डॉ अरूण चौधरी, सोफियान अहमद, सबिस्ता बृजेश, धर्मेन्द्र द्विवेदी, कमरूद्दीन , एसपी सिंह, अमर सिंह चौधरी, राम सजीवन पाल,लालमणि चौधरी, जसवंत प्रधान, तारकेश्वर सिंह, देव शंकर शुक्ला, गिरीश श्रीवास्तव मौजूद रहे।

आश्रम पद्धति विद्यालय के 3 छात्रों को दबंग ने डंडों से पीटा

बछरावां,रायबरेली।बिशनपुर गांव के एक युवक ने तीन स्कूली छात्रों को पीट दिया है। पुलिस ने विद्यालय प्रबंधन की तहरीर पर आरोपित के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है । रविवार सुबह शेखपुर समोधा स्थित आश्रम पद्धति विद्यालय के छात्र विद्यालय परिसर में क्रिकेट खेल रहे थे । इसी बीच बाल उछलकर विद्यालय की बाउंड्री पार कर खेतों में चली गई । जब विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र सौरव यादव कक्षा 10 , देवांश कक्षा 8 , साहिल मौर्य कक्षा 8 बॉल निकालने के लिए खेत मे घुसे । खेतों के पास मौजूद बिशनपुर गांव के रहने वाले शिवम मिश्रा ने उन्हें डंडे से पीटना शुरू कर दिया । रास्ते से गुजर रहे राहगीरों ने छात्रों को दबंग के चंगुल से छुड़ाया। और मौका पाकर दबंग वहां से भाग निकला। विद्यालय के अंदर पहुंच कर छात्रों ने घटना की जानकारी प्रिंसिपल दयाराम को दी । विद्यालय प्रबंधन ने थाने में तहरीर देकर आरोपित के विरुद्ध केस दर्ज कराया है। कुछ दिन पूर्व ही आरोपित के विरुद्ध एक पत्रकार को अस्पताल में कवरेज करने को लेकर धमकाने व अभद्र भाषा के प्रयोग के मामले में केस पंजीकृत किया गया था । थाना अध्यक्ष बृजेश राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है । आरोपित की तलाश की जा रही है । तथा छात्रों को इलाज व मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा गया है।

पीआरडी के जवान को भू माफिया दे रहे हैं धमकी, लगा न्याय की गुहार

मऊ। कोतवाली थाना क्षेत्र के भीटी के रहने वाले पीआरडी के जवान राम बहाल गौंड को भू माफिया धमकी दे रहे हैं। जिसके बाद पीआरडी के जवान ने थाने से लगाए मुख्यमंत्री तक न्याय की गुहार लगाई है। वही मीडिया से बात करते हुए पीआरडी के जवान ने बताया कि हमारी जमीन गालिबपुर गांव में है और वहां पर भूमाफिया के द्वारा जमीन पर कब्जा कर लिया गया है और जब इस बात की जानकारी हुई तो हम अपनी जमीन पर पहुंचकर विरोध किये तो हमे और हमारी पत्नी को मारने के लिए दौड़ा लिया। किसी तरह हम लोग अपनी जान बचाकर वहां से भागे निकले। साथ ही कहा कि भू माफिया के डर से अपनी जमीन पर नहीं जा रहे हैं इसलिए हम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

प्रतिभा सम्मान से सम्मानित हो चहके छात्र

- देवकली देवलास में गूंजी कविता की बयार

करहाँ, मु.बाद, मऊ। गुरुकुल ज्ञानम सामान्य ज्ञान प्रतियोगिया के विजयी 16 छात्रों का सम्मान हुआ। सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से चहक उठे। जबकि मुख्य अतिथि के प्रेरणा दायक विचार एवं काव्य की धारा से बच्चों सहित अभिभावकों में शिक्षा के प्रति नव उत्साह का संचार हुआ। ये हीरे हैं, पर अनगढे, इनको तरासिये.. अभिभावकों की अपने बच्चों के प्रति जिम्मेदारियों का अहसास कराती हुई ये पंक्तियां कवि और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण दिल्ली में प्रबंधक राजभाषा के पद पर कार्यरत देवकान्त पाण्डेय ने कहीं। अवसर था रविवार को गुरुकुल विद्या संस्थान रामपुर देवकली देवलास स्थित संत गणिनाथ मंदिर पर आयोजित छात्र सम्मान समारोह का। उक्त कार्यक्रम में नव नालंदा महाविहार एवं सम विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डा. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव 'परिचय दास' तथा देव कान्त पाण्डेय मुख्य अतिथिद्वय के रूप में उपस्थित रहे। प्रोफेसर डा. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में विभिन्न विभूतियों का उल्लेख करते हुए उनके संघर्ष और सफलता का जिक्र करते हुए उपस्थित बच्चों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डा. मनोज कुमार यादव सीनियर कंसल्टेंट फातिमा अस्पताल मऊ, डा. आलोक कुमार गुप्ता रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर फातिमा अस्पताल मऊ तथा सामाजिक निदान वेलफेयर फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंद्रेश प्रजापति आदि उपस्थित थे। गुरुकुल विद्या संस्थान एवं कार्यक्रम के संयोजक अजय प्रजापति 'गोकुल' ने बताया कि पिछले दिनों संस्था द्वारा अलग–अलग कक्षा वर्ग के लिए गुरुकुल ज्ञानम सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसमें देवलास और उसके आस–पास स्थित विभिन्न विद्यालयों के कुल एक हजार से भी ज्यादा छात्रों ने भाग लिया था। इसी प्रतियोगिता के विजेता 16 प्रतिभागियों को सम्मानित करने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों को मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं माल्यार्पण करके सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से चमक उठे। इस अवसर पर गुरुकुल विद्या मंदिर के पदाधिकारी अजय प्रजापति गोकुल, रामप्रवेश यादव, आशुतोष कुमार, अभिषेक कुमार, राजेश प्रजापति, मुकेश प्रजापति, चंदन मद्धेशिया, कौशल शर्मा, राजू विश्वकर्मा, रामजनम यादव, आनंद सिंह, देवकली देवलास के ग्राम प्रधान अभिषेक यादव एवं क्षेत्र के अन्य सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

लोग किचन तो साफ करते हैं, मगर रसोई में मौजूद इन 7 गंदी चीजों की सफाई पर नहीं देते ध्यान

ज्यादातर लोग अपनी रसोई को साफ रखना पसंद करते हैं. कुछ लोग दिन में दो बार तो कुछ लोग दिन में एक बार रसोई साफ करते हैं. कुछ ऐसे भी लोग हैं जो हफ्ते में बस एक दिन रसोई साफ करते हैं. ऐसा देखा जाता है कि लोग किचन तो साफ कर देते हैं, लेकिन उसमें रखी चीजों की सफाई पर ध्यान देना भूल जाते हैं या उनपर ध्यान देना जरूरी नहीं समझते. रसोई में मौजूद कुछ चीजें आपको भले ही साफ दिखाई देती हों, लेकिन इनपर इतने बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जिनसे शरीर में कई बीमारियां लग सकती हैं. आइए जानते हैं कि किचन की ऐसी कौन–कौन सी चीजें हैं, जिनकी सफाई पर लोग अक्सर ध्यान नहीं देते.

किचन की इन चीजों को भी रखें साफ

1. दरवाजे का हैंडल और इलेक्ट्रिक स्विचरू बहुत से लोग यह नहीं जानते कि बैक्टीरिया किचन के दरवाजे के हैंडल और इलेक्ट्रिक स्विच से भी आपके शरीर में प्रवेश कर सकते हैं. इसलिए आप जब कभी किचन साफ करें तो इन दो चीजों को साफ करना कभी न भूलें.

2. डिशक्लॉथः गीले बर्तनों को पोंछने और किचन को साफ करने के लिए आप जिस कपड़े का इस्तेमाल करते हैं. उस कपड़े की सफाई पर ध्यान देना भी बहुत जरूरी है. कई लोग एक ही कपड़े से कई दिनों तक किचन की सफाई करते रहते हैं और उसे धोने की जरूरत नहीं समझते. जबकि ऐसा करने से आपको बचना चाहिए. कोशिश करें कि हर रोज आप किचन क्लॉथ को धोएं. 3. स्पंजरू बर्तन धोने के लिए आप जिस स्पंज का इस्तेमाल करते हैं, उसको साफ रखना भी जरूरी है. बहुत से लोग सोचते हैं कि बर्तन धोते वक्त उसपर साबुन लगता है तो वह खुद–ब–खुद धुल ही जाता होगा. लेकिन ऐसा नहीं है. गंदे बर्तनों को मांजने के बाद स्पंज गंदा हो जाता है. यही वजह है कि इसे अलग से धोना बहुत जरूरी है. अगर आप स्पंज को गंदा ही छोड़ देंगे तो बर्तनों पर ई. कोलाई जैसे खतरनाक बैक्टीरिया जमावड़ा लगा सकते हैं.

4. चॉपिंग बोर्डः सब्जियां काटने के लिए आप जिस चॉपिंग बोर्ड का इस्तेमाल करते हैं, उस चॉपिंग बोर्ड को साफ करते रहना जरूरी है. लकड़ी के चॉपिंग बोर्ड पर बड़ी संख्या में बैक्टीरिया हो सकते हैं. यही वजह है कि किचन की सफाई के दौरान चॉपिंग बोर्ड को बैक्टीरिया मुक्त करना न भूलें.

5. फ्रिजः रसोई की सफाई में फ्रिज की सफाई भी शामिल है. क्योंकि फ्रिज में फल–सब्जियों से लेकर खाना तक सब स्टोर किया जाता है. हफ्ते में एक बार या दो बार फ्रिज की सफाई जरूर करें.

6. कचरे का डिब्बाः किचन का वेस्ट आप जिस कचरे के डिब्बे में डालते हैं, उस कचरे के डिब्बे को भी वक्त–वक्त पर साफ करें. क्योंकि कचरे के डिब्बे में कई खतरनाक बैक्टीरिया की मौजूदगी पाई जाती है, जिसके संपर्क में आने से घर के लोग बीमार पड़ सकते हैं. 7. सिंकः किचन के सिंक को भी हर रोज दो बार धुलना चाहिए. एक बार सुबह के वक्त और एक बार रात के वक्त. बर्तनों को मांजने से पहले सिंक को धोएं, तब उसमें बर्तनों को साबुन लगाकर रखें.

अनन्या पांडे ने येलो साड़ी में बिखेरा हुस्न का जलवा, तस्वीरों में देखें एक्ट्रेस का खूबसूरत अंदाज

अनन्या पांडे इन दिनों आयुष्मान खुराना के साथ अपनी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 को लेकर काफी चर्चाओं में बनी हुई है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो अक्सर फैंस

के बीच तेजी से वायरल होने लगती है। हालांकि लोग उनका हर एक बोल्ड और खूबसूरत अंदाज देखकर आहें भरने लगते हैं। लेटेस्ट तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार फैंस को दीवाना बना रहा है। एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोज फैंस के बीच शेयर कर इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है। इन तस्वीरों में उनका साड़ी में ट्रेडिशनल अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं, साथ ही उनके लुक पर से फैंस की नजरें हटने का नाम नहीं ले रही हैं। अनन्या पांडे ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में येलो कलर की खूबसूरत साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही गॉर्जियस नजर आ रही हैं। अभिनेत्री अपने इस लुक में काफी सिजलिंग और हॉट नजर आ रही हैं। हालांकि फैंस भी उनके इस लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एमराल्ड ग्रीन डैंग्लर्स और मैचिंग की चूड़ी पहनकर एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। ओपन हेयर और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपनी इस लुक को और भी खूबसूरती से निखारा है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं अनन्या पांडे कैमरे के सामने अपनी पतली कमर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। क्लिक की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस काफी किलर अंदाज में पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं।

धनुष की कैप्टन मिलर का टीजर 3500 स्क्रीन्स पर हिट!

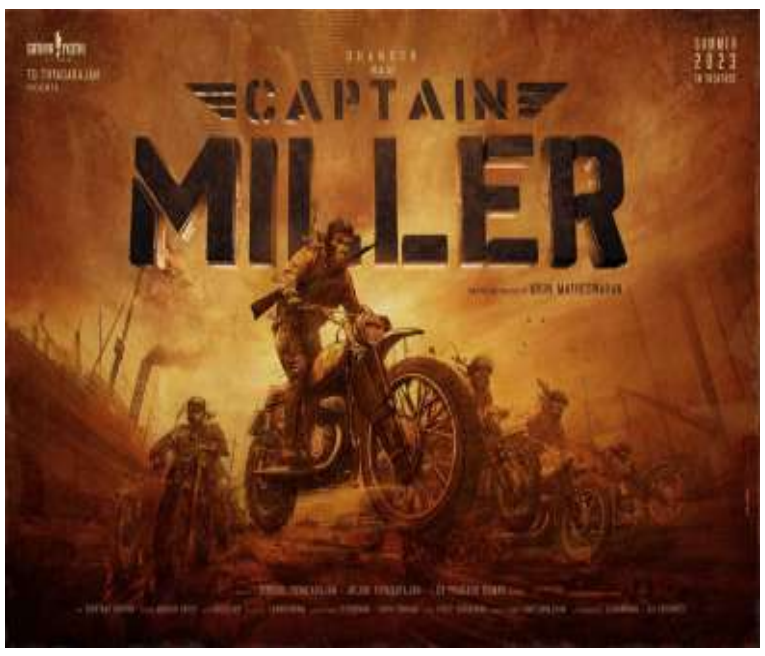

बहुमुखी अभिनेता धनुष, अरुण मथेश्वरन द्वारा निर्देशित एक पीरियड–एक्शन ड्रामा, अपनी आगामी नाटकीय रिलीज, कैप्टन मिलर के साथ दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार हैं। टीजर की हालिया रिलीज ने उच्च प्रत्याशा उत्पन्न की है, और अब टीम ने एक सरल प्रचार रणनीति का खुलासा किया है। फिल्म का टीजर कल से तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और केरल में 3500 स्क्रीनों पर प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। इस नवोन्मेषी दृष्टिकोण का लक्ष्य फिल्म की प्रत्याशित रिलीज से महीनों पहले दर्शकों को शामिल करना है। विशेष रूप से, कन्नड़ स्टार नायक शिव राजकुमार एक महत्वपूर्ण कैमियो भूमिका निभाते हैं।

प्रियंका मोहन, संदीप किशन, निवेदिता सतीश और एडवर्ड सोनेनब्लिक ने महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं। सत्य ज्योति फिल्म्स द्वारा निर्मित, जी.वी. की मनमोहक धुनें। प्रकाश कुमार ने फिल्म में आकर्षण बढ़ाया है। 15 दिसंबर को फिल्म की रिलीज के लिए अपने कैलेंडर पर निशान लगा लें।

मिलिंद सोमन की फ से फैंटेसी का ट्रेलर जारी, 17 अगस्त को जियो सिनेमा पर होगी रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता मिलिंद सोमन पिछले कुछ वक्त से अपनी आगामी वेब सीरीज फ से फैंटेसी को लेकर चर्चा में हैं।इसमें स्मरण साहू, न्यारा बनर्जी, दिव्या अग्रवाल और अर्जित तनेजा जैसे कलाकार भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। अब निर्माताओं ने फ से फैंटेसी का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो रोमांस और सस्पेंस से भरपूर है। इसका प्रीमियर 17 अगस्त से ओटीटी प्लेटफॉर्म को जियो सिनेमा पर किया जाएगा।

जियो सिनेमा ने ट्विटर पर फ से फैंटेसी का ट्रेलर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, थोड़ा रोमांस और थोड़ा मसाला– नॉटी वास्तव में अच्छा होने वाला है।इसमें अनुज सचदेवा, अंकिता कोंवर और नामिक पॉल भी हैं।बता दें, मिलिंद पिछली बार लकड़बग्घा में नजर आए थे, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। यह फिल्म जी5 पर उपलब्ध है।इन दिनों मिलिंद को वन फ्राइडे नाइट में देखा जा रहा है।

मस्कारा लगाते समय न करें ये 5 सामान्य गलतियां, बिगड़ सकता है आंखों का लुक

मस्कारा एक ऐसा आई प्रोडक्ट है, जिसका उपयोग पलकों को लंबा और घना दिखाने का भ्रम पैदा कर सकता है।अब तो यह कई महिलाओं की मेकअप किट का महत्वपूर्ण उत्पाद बन चुका है।हालांकि, कई महिलाएं इसे लगाते समय अनजाने में कुछ गलतियां कर देती है। इससे उनका आंखों का मेकअप लुक खराब लगने लगता है।आइए आज हम आपको 5 ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे मस्कारा लगाते समय बचना चाहिए।

गलत मस्कारे का चयनः गलत मस्कारे का चयन करना सबसे आम गलती है। आपको हमेशा अपनी जरूरत के हिसाब से मस्कार चुनना चाहिए।लिक्विड मस्कारा किसी भी मौसम में लगाया जा सकता है, जबकि पाउडर मस्कारे को सर्दियों के दौरान लगाना ही सही है। यह जल्दी से स्मज नहीं होता है।क्रीमी मस्कारा रूखी पलकों को मॉइस्चराइज करने में मदद करता है।यहां जानिए बाजार में मौजूद मस्कारों से जुड़ी जानकारी।

पलकों को कर्ल करने से पहले ही मस्कारा लगा लेनाः अगर आप पलकों को कर्ल करने से पहले मस्कारा लगा लेती हैं तो यह भी एक बड़ी भूल है।अगर आप मस्कारा लगाने के बाद पलकों को कर्ल करती हैं तो इस कारण पलकें चिपचिपी लगती हैं या फिर इससे पलकों के टूटने की संभावना भी बढ़ जाती है।इस समस्या से बचने के लिए हमेशा पलकों को पहले कर्ल करें, फिर मस्कारा लगाएं ताकि आंखों का मेकअप खूबसूरत लगे।

अधिक मस्कारा लगानाः अगर आप बार–बार मस्कारे के ब्रश को पलकों पर फेरती हैं तो इससे पलकों पर अतिरिक्त मस्कारा लग जाता है, जिससे उसके फैलने की संभावना अधिक हो जाती है।इस परेशानी से बचने का एक सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप मस्कारा लगाने से पहले ब्रश को एक टिश्यू पेपर से अच्छी तरह से पोंछ लें।इससे अतिरिक्त मस्कारा निकल जाएगा और बाकि मस्कारा बिल्कुल सही तरह से लगेगा।यहां जानिए घर पर मस्कारा बनाने के अलग–अलग तरीके।

मस्कारे के उपयोग करने की तारीख को अनदेखा करनाः किसी पसंदीदा मेकअप उत्पाद को लंबे समय तक अपनी किट में रखना स्वाभाविक है।हालांकि, जितना अधिक आप उसका उपयोग करेंगे, उसका बुरा असर पड़ सकता है। खासतौर से अगर उसकी उपयोग करने की तारीख निकल गई है।उदाहरण के लिए आंखों के मेकअप से जुड़ी समस्याओं या संक्रमणों से बचने के लिए मस्कारा ट्यूबों को 3 से 6 महीने बाद फेंक देना चाहिए।

गलत तरीके से मस्कारा लगानाः भले ही आप खुद के लिए कोई भी मस्कारा चुनें, अगर उसे लगाने का तरीका सही होगा तो इसके फैलने की संभावना काफी कम होगी।इसके लिए पहले पलकों पर मस्कारा प्राइमर लगाएं। यह न सिर्फ आपकी पलकों को सुरक्षित और लंबा करता है, बल्कि इससे पलकें खूबसूरत भी लगती हैं। इसके अलावा यह मस्कारे को फैलने से रोकने में भी कारगर है।इसके बाद अपने पसंदीदा रंग के मस्कारे को पलकों पर नीचे से ऊपर की ओर फेरे।